राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 12 अकं :242 रांची (झारखंड) शनिवार 14 जून 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

उत्तर भारत में भीषण गर्मी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी, 14 जून से बदलेगा मौसम का मिजाज

एजेंसी

नई दिल्ली । भीषण गर्मी की मार झेल रहे उत्तर भारत में मौसम अब राहत के संकेत दे रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक 13 जून की रात से मौसम का मिजाज बदलने वाला है। हालांकि विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। साथ ही, तेज हवाएं 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

13 जून को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा, साथ ही ह्यूमिडिटी भी 67 प्रतिशत तक होगी। इस कारण दिन भर उमस और गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि दिनभर गर्म और आर्द्र मौसम बना रहेगा, लेकिन शाम व रात के समय गरज-चमक के साथ

हालांकि विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई गई है।

बारिश की संभावना रहेगी। 14 जून से मौसम में ठंडक घुलने लगेगी। अधिकतम तापमान घटकर 41 डिग्री और न्यूनतम 29 डिग्री हो जाएगा। 15 जून को यह गिरावट और तेज होगी, जब अधिकतम तापमान 40 और न्यूनतम 28 डिग्री दर्ज किया जाएगा। इन दिनों के लिए 'थंडरस्टॉर्म विद रेन' का पूर्वानुमान है, जिससे मौसम राहत भरा रहेगा। 16 और 17 जून को आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 27-28 डिग्री के आसपास रहेगा। इसके साथ ही 18 और 19 जून को भी गरज के साथ बारिश की संभावना बनी रहेगी। इन दोनों दिन न्यूनतम तापमान 26 डिग्री और अधिकतम 37 से 38 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। नमी की मात्रा 80-85 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह बारिश जहां आम लोगों को गर्मी से राहत देगी, वहीं किसानों के लिए भी यह सकारात्मक संकेत है।बारिश से मिट्टी की नमी बढ़ेगी, जिससे खरीफ की बुवाई में मदद मिलेगी। वहीं स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम परिवर्तन के इस दौर में वायरल संक्रमणों से सावधान रहना जरूरी है। हालांकि बारिश राहत लेकर आ रही है, फिर भी आईएमडी ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है, खासकर 13 जून की रात और 14 जून की सुबह तक, जब तेज हवाएं और बिजली गिरने की आशंका है। इस दौरान खुले में खड़े रहने या पेड़ों के नीचे रुकने से बचने की चेतावनी दी गई है।

भारत की ईरान-इजराइल से संयम बरतने की अपील, दोनों का मित्र होने के नाते सहयोग को तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत हालात पर बारीकी से नजर रखे हुए है, विशेष रूप से परमाणु ठिकानों पर हुए हमलों से जुड़ी खबरों पर। विदेश मंत्रालय ने दोनों पक्षों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के उकसावे से बचें और स्थिति को और अधिक न बिगाड़ें। भारत ने कहा कि मौजूदा संवाद और कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग कर इस संकट को सुलझाने की कोशिश होनी चाहिए। बयान में यह भी कहा गया कि भारत के ईरान और इजराइल दोनों से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत हरसंभव सहयोग देने को तैयार है। सरकार ने बताया कि दोनों देशों में स्थित भारतीय दूतावास अपने-अपने क्षेत्रों में रह रहे भारतीय नागरिकों के संपर्क में हैं। सभी भारतीयों को सलाह दी गई है कि वे सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। इससे पहले इजराइल के प्रधानमंत्री ने बताया कि देश ने राइजिंग लायन नामक एक सैन्य अभियान शुरू किया है। उन्होंने इसे ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता।

माफिया रिशु श्री और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर ईडी की रेड

पटना। बिहार के चर्चित माफिया रिशु श्री और उससे जुड़े लोगों के नौ ठिकाने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की टीमों ने पटना और मुजफ्फरपुर के अलावा पानीपत और सूरत समेत नौ ठिकानों पर बीती रात छापेमारी की है। बिहार में प्रवर्तन निदेशालय ने रिशु श्री और उससे जुड़े नेटवर्क पर गुरुवार की देर रात बड़ी कार्रवाई की। ईडी की टीमों ने बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर, गुजरात के सूरत और हरियाणा के पानीपत में एक साथ कुल नौ ठिकानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव (अंडर सेक्रेट्री) विनोद कुमार सिंह के गोला रोड स्थित आवास समेत पटना के छह अन्य ठिकाने शामिल हैं। रिशु श्री के चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अविनाश कुमार के मुजफ्फरपुर स्थित आवास पर भी ईडी ने कार्रवाई की है। बिहार में समान्य प्रशासन विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद कार्यरत विनोद कुमार सिंह, रिशु श्री के इशारे पर सामान्य प्रशासन के माध्यम से छोटे कर्मचारियों का ट्रांसफर-पोस्टिंग करवाने का काम किया करता था। माफिया रिशु श्री से जुड़े पटना, पानीपत, सूरत के ट्रेवल एजेंट के ठिकाने पर ईडी की रेड की गई है। रिशु श्री जेल में बंद आईएएस अधिकारी संजीव हंस का बेहद करीबी है। पिछले महीने विशेष निगरानी इकाई ने ईडी की रिपोर्ट पर रिशु श्री एवं अन्य के खिलाफ भी केस दर्ज किया था।

पंजाब के पठानकोट एयर फोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग

चंडीगढ़। पंजाब के पठानकोट में शुक्रवार को एयरफोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। पायलट व अन्य जवान सुरक्षित हैं। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। एयर फोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर ने शुक्रवार को पठानकोट एयरबेस से उड़ान भरी थी। हलेड़ा गांव के पास पहुंचने पर तकनीकी खराबी आ गई। इमरजेंसी को देखते हुए पायलट ने उसे खेत में लैंड करा दिया। मामले की सूचना मिलते ही सेना और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। सेना के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं और हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी को दूर करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।इस संबंध में अभी वायु सेना का कोई अधिकृत बयान नहीं आया है।

मणिपुर में इंटरनेट सेवाएं बहाल

इंफाल। मणिपुर में राजधानी सहित पांच जिलों में शुक्रवार सुबह छह बजे इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गई। इंटरनेट पर बार-बार प्रतिबंध से सामान्य सरकारी और निजी तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर गंभीर असर पड़ा एवं शिक्षा व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन अरामबाई टेंगोल (एटी) के नेता की गिरफ्तारी के बाद सात जून की रात 11.45 बजे से राज्य की राजधानी समेत पांच जिलों में इंटरनेट पर फिर से प्रतिबंध लगा दिया गया था। राज्य सरकार ने प्रतिबंध के बाद अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया। एटी ने अपने नेता की गिरफ्तारी के विरोध में दस दिन बंद की घोषणा की लेकिन तीसरे दिन इसे वापस ले लिया। शुरुआती प्रतिबंध आदेश पांच दिनों के लिए था और यह गुरुवार रात 11.45 बजे समाप्त हो गया। गृह आयुक्त एन अशोक कुमार के देर रात के आदेश से प्रतिबंध को 13 जून की सुबह छह बजे तक बढ़ा दिया गया था।

अहमदाबाद विमान हादसा : पीएम मोदी ने कहा, 'इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता'

एजेंसी

अहमदाबाद । गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को हुए विमान हादसे के बाद शुक्रवार को पीएम मोदी अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचे। पीएम मोदी एयरपोर्ट से सीधे घटना स्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद पीएम मोदी सिविल अस्पताल पहुंचे और घायलों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। पीएम मोदी ने हादसे को लेकर कहा कि इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। पीएम मोदी के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी गई। उन्होंने कहा, ÷आज अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल का दौरा किया। तबाही दुखद है। अधिकारियों और टीमों से मुलाकात की जो घटना के बाद अथक परिश्रम कर रहे हैं। हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस अकल्पनीय त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है।

पीएम मोदी ने दूसरे पोस्ट में लिखा, अहमदाबाद में हुए हवाई हादसे से हम सभी स्तब्ध हैं। इतने सारे लोगों की अचानक और दिल दहला देने वाली मौत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी संवेदना। हम उनके दर्द को समझते हैं और यह भी जानते हैं कि उनके पीछे जो खालीपन रह गया है, उसे आने वाले कई सालों तक महसूस किया जाएगा। ओम शांति। पीएम मोदी सुबह करीब 8:30 बजे अहमदाबाद हवाई अड्डे पहुंचे, जहां से वे दुर्घटना स्थल पर गए और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने लगभग 20 मिनट तक घटनास्थल का मुआयना किया और राहत कार्यों में लगे अधिकारियों व एनडीआरएफ की टीमों से जानकारी ली। इसके बाद, वे अहमदाबाद के सिविल अस्पताल गए, जहां उन्होंने घायलों से मुलाकात की, उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली, और एकमात्र जीवित बचे यात्री विश्वास कुमार रमेश से भी बात की। अस्पताल में भर्ती घायलों में कुछ हॉस्टल के छात्र थे। पीएम मोदी के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी मौजूद थे।

करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर का निधन

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर का निधन हो गया है। संजय ने 53 वर्ष की उम्र में इंग्लैंड में अंतिम सांस ली। पोलो खेलते समय उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। उनके असामयिक निधन से कपूर परिवार और उनके करीबी गहरे सदमे में हैं। संजय के निधन की खबर आने के बाद इंडस्ट्री से लेकर उनके प्रशंसकों तक में हर कोई शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा है। अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने साल 2003 में बिजनेसमैन संजय कपूर से शादी की थी। हालांकि, कुछ ही सालों में उनके रिश्ते में दरार आ गई और दोनों के बीच मतभेद बढ़ने लगे।

अहमदाबाद प्लेन हादसे का फिलहाल कारण बताना मुश्किल, जांच से ही सामने आएगी हकीकत : एविएशन एक्सपर्ट्स

एजेंसी

नई दिल्ली । सिविल एविएशन मंत्रालय में पूर्व ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ सनत कौल ने शुक्रवार को कहा कि अहमदाबाद प्लेन हादसे के बारे में फिलहाल कुछ भी कहना मुश्किल है। जांच होने के बाद ही सही जानकारी सामने आएगी। डॉ सनत कौल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि यह एक बहुत दुखद हादसा है और इसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई है। लोग अटकलें लगा रहे हैं कि चिड़िया प्लेन से टकरा गई होगी या फ्लैप उलटे होंगे, लेकिन मेरा मानना है कि यह एक इंजन फेल होने की घटना है, क्योंकि प्लेन ऊपर जाने के कुछ देर बाद ही नीचे आ गया। बोइंग को लेकर किए गए सवाल पर कॉल ने कहा कि पिछले कुछ सालों में कंपनी पर कई बार सवाल उठे हैं और अमेरिकी संसद (यूएस कांग्रेस) ने भी कंपनी की जांच की है। बोइंग 737 मैक्स के दो-तीन क्रैश हुए थे। हालांकि, बोइंग 787 ड्रीमलाइनर एक अच्छा जहाज है। इसमें अब तक ऐसी कोई समस्या नहीं आई थी। ऐसे में जांच के बाद ही हकीकत सामने

आएगी। वहीं, अन्य एविएशन एक्सपर्ट संजय लजार ने कहा, यह एक बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली घटना है। मैं इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूंउन्होंने आगे कहा, विमान टेकऑफ के वीडियो सामने आए हैं, उनके आधार पर यह स्पष्ट होता है कि उड़ान भरते ही पायलट ने 'मेडे कॉल' दी थी, जो एक आपातकालीन संकेत होता है। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि विमान में इंजन फेल हुआ था या फिर बड़े पैमाने पर बर्ड हिट (पक्षियों से टकराव) की स्थिति बनी थी। उन्होंने यह भी कहा कि, अभी हम केवल अनुमान ही लगा सकते हैं। असली कारण क्या था, यह तो पूरी जांच की रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 गुरुवार को दोपहर को क्रैश हो गई थी। इसमें 242 लोग सवार थे।

मुझे खुद भरोसा नहीं, मैं कैसे जिंदा निकला: अहमदाबाद विमान हादसे में बचे विश्वास कुमार ने बताया कैसे हुआ 'चमत्कार'

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। मृतक की पत्नी सोनम रघुवंशी ने खुद पुलिस के सामने हत्या की साजिश में शामिल होने की बात कबूल ली है। मामले की जांच कर रही SIT (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) की पूछताछ में सोनम टूट गई और बताया कि उसने ही अपने प्रेमी और सुपारी किलर्स के साथ मिलकर राजा की हत्या की साजिश रची थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मेघालय के शिलॉन्ग में आरोपियों का आमना-सामना कराया गया, जहां सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाहा को स्ट्रङ्ग ने सबूतों के आधार पर सवालों के घेरे में लिया। जैसे ही सोनम को उसके खिलाफ पुख्ता साक्ष्य दिखाए गए, वह रो पड़ी और जुर्म कुबूल कर लिया। जांच में सामने आया है कि सोनम का अपनी फैक्ट्री में काम करने वाले राज कुशवाहा से प्रेम संबंध था। उसने शादी तो राजा रघुवंशी से कर ली, लेकिन अपने पुराने प्रेमी को नहीं भुला सकी। शादी के महज 9 दिन बाद ही, उसने राजा को रास्ते से

हटाने का खौफनाक प्लान बना डाला। 20 मई को सोनम और राजा शिलॉन्ग रवाना हुए और 23 मई को वहां पहुंचने के बाद, पहले से मौजूद सुपारी किलर्स ने राजा की हत्या कर दी। अब तक की जांच में कुल पांच आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं–सोनम रघुवंशी, उसका प्रेमी राज कुशवाहा और तीन शूटर- आनंद, आकाश राजपूत और विशाल उर्फ विक्की ठाकुर। मंगलवार रात को मेघालय पुलिस चार आरोपियों को लेकर शिलॉन्ग रवाना हुई, वहीं एक अन्य टीम सोनम को गाजीपुर से शिलॉन्ग लाई। सभी से गहन पूछताछ की जा रही है। इस मामले ने देशभर में सनसनी फैला दी है, जहां एक शादी, प्रेम और धोखे की खौफनाक कहानी सामने आई है।

करंट की चपेट में तीन मजदूरों की मौके पर मौत, 04 झुलसे

एजेंसी

गोटेगांव। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में आज करंट की चपेट में आने से तीन मजदूरों की घटनास्थल पर मृत्यु हो गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर गाडरवारा तहसील में एक मैरीज गार्डन में शादी की तैयारी के तहत एक झूला लगाने का कार्य किया जा रहा था। तभी यह झूला ऊपर से निकली हाईबोल्टेज 11 केबी से टकराया गया जिसके करंट से मौके पर ही तीन मजदूरों की मौत हो गई वहीं चार झुलस गये। झुलस गये लोगों को गाडरवारा सिविल अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद स्थल पर अफरा तफरी का माहौल छा गया। जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारी पहुंचे और मृतकों की पहचान में जुटे हुए है।

अहमदाबाद विमान हादसे में पूर्व पूर्व विजय रूपाणी के निधन पर अशोक गहलोत ने जताया शोक

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अहमदाबाद में हुए दर्दनाक विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। गहलोत ने रूपाणी को विनम्र स्वभाव का व्यक्ति बताते हुए याद किया कि जब वह गुजरात कांग्रेस प्रभारी थे, तब रूपाणी ही गुजरात के मुख्यमंत्री थे। गहलोत ने ईश्वर से श्री विजय रूपाणी की आत्मा को शांति और उनके परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना की। गहलोत ने यह भी बताया कि इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में अब तक राजस्थान के 12 निवासियों की जान जाने की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि इस अप्रत्याशित घटना ने सभी को झकझोर दिया है और हताहत हुए लोगों के परिवारों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा

है। गहलोत ने ईश्वर से सभी दिवंगतों को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और इस अपार दुख की घड़ी में परिजनों को हौसला प्रदान करने की प्रार्थना की।

कोविड-19: भारत में कई हफ्ते बाद एक्टिव केस घटे, पिछले 24 घंटे में एक मौत

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के लिए कोविड-19 संक्रमण को लेकर थोड़ी राहत की खबर है। कई दिनों के बाद देश में संक्रमण के नए मामलों की संख्या में गिरावट देखी गई है। पिछले 24 घंटे में पूरे देश में नए कोविड केस के मुकाबले ठीक होने वालों की संख्या ज्यादा रही है। हालांकि केरल में एक 82 साल के बुजुर्ग व्यक्ति की संक्रमण के कारण मौत हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 13 जून को कोविड संक्रमण को लेकर नए आंकड़े जारी किए। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में कोविड के कुल एक्टिव केस 7131 हो चुके हैं। इसके पहले 12 जून को कुल मामले 7154 दर्ज किए गए थे। इस लिहाज से कोविड के एक्टिव मामलों में 23 की गिरावट आई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में कोविड संक्रमण के कुल 200 नए मामले दर्ज हुए, जबकि 223 एक्टिव केस घटे। इससे अब कुल एक्टिव मामलों की संख्या 7131 हो गई है, जबकि पिछले 24 घंटे में पूरे देश में कोविड से ठीक होने वालों की संख्या 1420 रही है। राज्यवार आंकड़ों में पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा 77 केस गुजरात में दर्ज हुए। उसके बाद राजस्थान में 32, उत्तर प्रदेश में 24, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में 14-14, असम में 7, हरियाणा और झारखंड में 5-5, पुडुचेरी में 4, लद्दाख में 3 और ओडिशा में एक मामला सामने आया। हालांकि कोरोना से मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। नए वैरिएंट के बाद अब तक 78 मौतें दर्ज की गईं। केरल में पिछले 24 घंटे में एक व्यक्ति के मरने का मामला आया। इससे पहले 3 लोगों ने जान गंवाई, जिनमें महाराष्ट्र में 2, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 1-1 मरीज की मौत हुई। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 21 मौतें दर्ज हैं।

इजरायल को लंबे समय से उपद्रवी राष्ट्र के रूप में जाना जाता है : पिनाराई विजयन

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शुक्रवार को ईरान में इजरायल के हवाई हमलों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है। सीएम विजयन ने मीडिया से बात करते हुए कहा, इजरायल को लंबे समय से एक उपद्रवी देश के रूप में जाना जाता है। यह सच है और सभी को पता है। उन्हें लगता है कि अमेरिका के समर्थन से वे कुछ भी कर सकते हैं। सीएम ने कहा, ÷हमने जो सुना है, वह वाकई घिनौना है। ईरान पर हमला स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह विश्व शांति के लिए खतरा है और सभी को इस मनमानी कार्रवाई का विरोध करना चाहिए। सीएम विजयन का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार चल रहा है, जहां 19 जून को मतदान होना है। नीलांबुर में लगभग 43 प्रतिशत मुस्लिम रहते हैं और यह बहुसंख्यक हिंदू आबादी के बहुत

करीब है। इजरायल विरोधी बयान से निश्चित रूप से उन लोगों पर असर पड़ेगा, जो इजरायल का विरोध करते हैं। 2024 लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान विजयन के नेतृत्व वाले वामपंथी नेतृत्व ने हमास पर हमले को लेकर इजरायल के खिलाफ जमकर निशाना साधा था। मुख्यमंत्री विजयन का शुक्रवार का बयान केरल की हजारों नर्सों के इजरायल में काम करने से जोड़ा जा रहा है। सीएम विजयन का दावा है कि इजरायल यह सब इसलिए कर रहा है क्योंकि उसे अमेरिका का समर्थन प्राप्त है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरान पर इजरायल के हमले से खुद को दूर रखने की कोशिश की है। अमेरिकी विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रुबियो ने कहा कि वाशिंगटन इसमें शामिल नहीं है। रुबियो ने कहा, हम ईरान के खिलाफ हमलों में शामिल नहीं हैं। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता क्षेत्र में अमेरिकी सेना की रक्षा करना है। इजरायल ने हमें सलाह दी है कि उनका मानना ??है कि यह कार्रवाई उनकी आत्मरक्षा के लिए जरूरी थी। इजरायल ने शुक्रवार तड़के ईरान के खिलाफ बड़े हवाई हमले किए, जिससे क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया और लंबे समय से चले आ रहे दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच व्यापक संघर्ष की आशंका बढ़ गई।

हमले तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और इजरायल की राष्ट्रीय सुरक्षा के कथित खतरे को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

देवघर जिला के बालक बालिका एथलेटिक खिलाड़ी राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जामताड़ा रवाना

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड राज्य एथलेटिक्स संघ द्वारा 14 से 15 जून 2025 तक जामताड़ा में आयोजित 2ल्ला झारखंड राज्यस्तरीय सब जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने के लिए देवघर जिला के 13 एथलेटिक्स खिलाड़ी आज जामताड़ा के लिए रवाना हुए। जसीडीह से सभी खिलाड़ी ट्रेन के माध्यम से जामताड़ा गए। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सामिल होने वाले खिलाड़ी अंडर -14 - रजी खान, अशिफ खान, सोनम कुमारी, अनुषा मुरमू, प्रियंका मुरमू, तन्मय आनंद अंडर -16 - सुमंत राज, विष्णु मुरमू, विक्रांत यादव, हिमांशु कुमार, सचिन कुमार, रीना किस्कू, अनामिका सोरेन टीम के साथ चंदन कुमार और गौरव कुमार जामताड़ा गए उपर्युक्त सभी खिलाड़ियों का जिला टीम में चयन 28 -29 अप्रैल 2025 को देवघर जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025 में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर हुआ। सभी खिलाड़ियों को जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष डॉङ्क सुनील खवाड़े, सचिव मनोज मिश्रा, नीतू देवी, सुरेश शाह, रवि केसरी, रामू चक्रवर्ती, डॉ अमित प्रसाद, प्रभाकर शांडिल्य, आशीष दुबे, निक्की झा, बंटी नंदन सिंह, नीतीश सिंह, अमित झा, प्रमोद यादव, राहुल कुमार, चंदन कुमार, गौरव कुमार, मनोज पांडे, राजेश कुमार, दीपक दुबे, अजय खवाड़े,आलोक बोस सहित अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी।

नौ दिवसीय महायज्ञ शांति पूर्ण से संपन्न

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर जिले से चित्रा में पिछले 44 वर्षों से लगातार चितरा कोलियरी दुखिया बाबा शिव मंदिर क्षेत्र में प्रतिवर्ष होने वाले महायज्ञ का आज पुणार्हुति के साथ संपन्न हुआ। महारुद्र यज्ञ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न को लेकर इस धार्मिक कार्यक्रम में हवन पूजा, ओर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया ।यह कार्यक्रम विभिन्न धार्मिक स्थलों ओर विद्वानों की उपस्थिति के साथ चितरा कोलियरी यज्ञ समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष विवेकानारायण देव ने कहा कि बाबा दुखिया की कृपा से नौ दिवसीय यज्ञ शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। बाबा का ही कृपा है कि लाखों भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ा। मेला क्षेत्र, यज्ञ मण्डप, मुख्य पंडाल और मंदिर क्षेत्र में शांति बना रहा। पुलिस प्रशासन और यज्ञ समिति के युवा सदस्यों ने बड़े ही सूझ-बूझ से यज्ञ में सहयोग किया। मौके पर सत्यनारायण राय, अरुण पांडेय, गुड्डू चौधरी, राजेश राय, राम मोहन चौधरी युगल राय राज कमल भोक्ता सहित कई लोग उपस्थित थे।

नगर वासियों को महीने में एक दिन बाबा मंदिर में पूजा के लिए मिले छूट-सुरेश शाह

पर्यटन मंत्री के समक्ष रखा प्रस्ताव,मंत्री ने दिया आश्वासन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू पर्यटन खेलकूद युवा विकास मंत्री ने श्रावणी मेला के संबंध में सर्किट हाउस में जिला के पदाधिकारी के साथ मीटिंग किए। बाद में कार्यकताओं से सर्किट हाउस में मुलाकात की।मुलाकात के दौरान झामुमो नेता सुरेश शाह ने मंत्री का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि बाबा मंदिर में इतनी भीड़ होती है की लोकल लोग पूजा करने से वंचित हो जाते हैं, अतःआपसे अनुरोध है कि कम से कम महीना में 1 दिन कुछ घंटे के लिए लोकल को पूजा करने की अनुमति प्रदान की जाए।पंडा धर्मरक्षिणी सभा के अध्यक्ष डॉ सुरेश भारद्वाज एवं महामंत्री निर्मल मंटू ने भी इस बात पर अपनी सहमति जताई।मंत्री ने आश्वासन दिया कि श्रावण मास के बाद इसके लिए बैठक कर एक निर्णय लेंगे ताकि देवघर में रहने वाले श्रद्धालु भी बाबा का पूजा अर्चना कर सकें। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष संजय शर्मा,महानगर अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, श्याम कांत झा,मृत्युंजय रावत,सुनील मंडल महेंद्र यादव आदि उपस्थित थे।

चयनित टीम प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बोकारो रवाना

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

१२३ देवघर व18 बालक/बालिका टीम का आज चयन किया गया, चयनित टीम आज ही बोकारो में १२३ झारखंड बालक/बालिका प्रतियोगिता में भाग लेने-ल्लड्ढ्३८ ट्रेन से रवाना होगी! बोकारो में दिनांक 14 जून और 15 जून को यह प्रतियोगिता होगी !चयनित टीम इस प्रकार है_बालक वर्ग_अमन कुमार, प्रिंस कुमार,मनीष कुमार,ओम कुमार, रितिक कुमार, सौरभ कुमार, गौतम कुमार, शिवा कुमार, सूरज मिश्रा, पप्पू कुमार, कन्हैया कुमार, अविनाश कुमार, अमरनाथ कुमार बालिका वर्ग_खुशबू कुमारी, खुशबू कुमारी, अनुष्का कुमारी ,अंजली कुमारी, मुस्कान कुमारी, राजलक्ष्मी कुमारी, जिया कुमारी ,विनीता कुमारी ,प्रिया कुमारी ,जिज्ञासा कुमारी , रिया घोष चयनित टीम को जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष सुनील खवाडे,उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह, स्वागत कर, सचिव धर्मेंद्र देव, आलोक कुमार, अशरफ अली, रंजीत, मोनू आदि ने टीम के प्रति शुभकामनाएं प्रेषित किया है!

संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स ने पर्यटन मंत्री से मुलाकात कर देवघर की विकास योजनाओं पर सौंपा ज्ञापन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड के पर्यटन, नगर विकास एवं उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार आज श्रावणी मेला की तैयारियों की समीक्षा के लिए देवघर पहुंचे। इस दौरान संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, देवघर के अध्यक्ष आलोक मल्लिक, महासचिव रितेश टिबरेवाल एवं कार्यकारिणी सदस्य महेश लाठ ने स्थानीय विधायक सुरेश पासवान की मौजूदगी में मंत्री जी से परिसदन में मुलाकात कर देवघर के समग्र विकास हेतु एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया। इससे पहले मंत्री जी से पहली बार मिल रहे चैंबर अधिकारियों ने बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। श्रावणी मेला की तैयारियों के संबंध में चैंबर सहित अन्य प्रमुख स्टेकहोल्डर्स, संस्थाओं और बुद्धिजीवियों के साथ बैठक आयोजित कर सुझाव एवं अनुभव लेने की बात रखी गई। साथ ही जलार्पण हेतु क्यू व्यवस्था में जलसार और वॉकिंग पाथ के बेहतर उपयोग का सुझाव दिया गया। नगर विकास से संबंधित योजनाओं में देवघर में मल्टीस्टोरी पार्किंग, होटल और मार्केट का निर्माण, पुराने नगर भवन का पुनरुद्धार कर आकर्षक एवं अत्याधुनिक नगर भवन का निर्माण, मीना बाजार की सब्जी मंडी का पुनर्विकास कर पार्किंग सुविधा के साथ मल्टीस्टोरी वेंडिंग मार्केट बनाने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त क्लब ग्राउंड और स्टेडियम के आसपास झुग्गियों में निवासरत लोगों को पुनर्वासित कर मुख्यधारा में लाने का प्रयास करने की बात कही गई है। शहर के सुंदर, व्यवस्थित और दर्शनीय बनाने हेतु बाघमारा स्थित अंतरराज्यीय बस अड्डे और देवघर रेलवे स्टेशन के बीच अत्याधुनिक उच्चस्तरीय रोड ब्रिज, कांवरियों और जनता की सुविधा के लिए रांगा मोड़ से पंडित बी एन झा पथ क्रॉसिंग तक ओवरब्रिज निर्माण तथा एक डेडिकेटेड ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण की मांग की गई है। पर्यटन विकास के अंतर्गत जलसार चिल्ड्रेन पार्क के सौंदर्यीकरण और वहां वीकेंड (शनिवार-रविवार) में साप्ताहिक अर्बन हाट लगाने की व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया है जिसमें आर्टजन बाजार और स्ट्रीट फूड की व्यवस्था हो। वहीं स्थाई निर्माण में दिल्ली हाट की तर्ज पर बैद्यनाथ हाट बनाने की मांग की गई है जहां तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की सुविधा के साथ ही देवघर को एक वृहत आर्टिजन बाजार, भ्रमण केंद्र और सांस्कृतिक गतिविधियों का एकीकृत केंद्र मिल सके। साथ ही एक बड़ी दुर्घटना के बाद बंद पड़े त्रिकूट रोपवे को यथाशीघ्र पुनः चालू करने की भी मांग की गई है। उधर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में देवघर में एक इंजीनियरिंग कॉलेज और निफ्ट सेंटर खोलने की मांग की गई है, जो स्थानीय युवाओं को बेहतर शिक्षा के अवसर प्रदान करेगा। माननीय मंत्री सुदिव्य कुमार ने चैंबर द्वारा प्रस्तुत सभी मांगों को गौर से पढ़ा और समझा तथा सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ इन सभी प्रस्तावों पर विचार करने का आश्वासन दिया।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन अंतर्गत कार्यों में सदर अस्पताल ने किया उपलब्धि हासिल

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर जिला में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन अंतर्गत कार्यों में सदर अस्पताल में एक और उपलब्धि हासिल किया गया।भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे इस योजना के अंतर्गत अब अस्पताल में भर्ती मरीजों की विवरणी अब पोर्टल पर ऑनलाइन किया जाने लगा है,इसके लिए अस्पताल भवन के इमरजेंसी यूनिट के नजदीक एक रूम को चिन्हित कर वहां एक कंप्यूटर ऑपरेटर की ड्यूटी लगा दी गई जो भर्ती होने वाले मरीजों की पूर्ण विवरणी को पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड करते है।आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के जिला नोडल पदाधिकारी डॉ शरद कुमार ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पहले पंजीयन काउंटर पर ऑनलाइन पर्ची निकालने की सुविधा से शुरूआत की गई थी अब लगभग 85 प्रतिशत लोगों का रजिस्ट्रेशन पर्ची ऑनलाइन स्कैन एंड शेयर के माध्यम से निकाला जा रहा है।इस सुविधा के शुरू होने से मरीज के परिजनों को लंबी कतार लगाने की जरूरत नहीं पड़ती है।वहीं डॉ शरद कुमार ने कहा कि डेंटल ओ पी डी में आने वाले मरीजों के जांच और इलाज के बाद उनकी विवरणी भी ऑनलाइन किया जा रहा है ताकि मरीज का पर्ची अगर गुम भी हो जाए तो उनके इलाज से संबंधित सारी जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा,उन्होंने कहा कि जल्द ही अन्य ओ पी डी में भी इसकी सेवा शुरू की जानी है।उधर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रभात रंजन द्वारा आज आई पी डी के मरीजों का ऑनलाइन किए जाने संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई ,इस समीक्षा में नोडल पदाधिकारी सह प्रशासनिक कार्य प्रभारी डॉ शरद कुमार,परियोजना समन्वयक सुधांशु रंजन के अलावा कंप्यूटर ऑपरेटर रवि कुमार शामिल थे।सुधांशु रंजन ने बताया कि सदर अस्पताल सहित कई अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत सभी स्टाफ नर्स और ए एन एम का ल्ढफकार्य भी संपन्न हो चुका है ,जहां यह कार्य पूर्ण नहीं है उसके लिए विशेष अभियान के साथ इसको सम्पन्न करने की तैयारी चल रही है

आगामी श्रावणी मेला को लेकर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक ने की बैठक आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपाधीक्षक सदर अस्पताल देवघर डॉ प्रभात रंजन एवं प्रशासनिक कार्य प्रभारी सदर अस्पताल देवघर डॉ शरद कुमार की अध्यक्षता में सदर अस्पताल के सभी वार्ड प्रभारी एवं चिकित्सा पदाधिकारी के साथ आगामी श्रावणी मेला को देखते हुए एक बैठक आयोजित की गई।बैठक में सभी को निदेशित किया गया कि श्रावणी मेला के दौरान जो भी श्रद्धालु अपने इलाज के लिए सदर अस्पताल आते है उनको किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं हो।श्रद्धालु मरीजों के लिए अलग से 25 बेड चिन्हित पर उस बेड को तैयार करने के लिए कहा गया है।बैठक में सभी विभाग के इंचार्ज से कहा गया कि उनको जो भी सामन की जरूरत है उसकी लिखित मांग करे साथ ही भंडारपाल मुजफ्फर को कहा गया कि जहां से भी अस्पताल में मरीजों के इलाज एवं मूलभूत सुविधाओं की मांग इंचार्ज द्वारा की जाती है उसे शीघ्र उपलब्ध कराएं।फामेर्सी के इंचार्ज संजीव मिश्रा द्वारा अनुरोध किया गया कि अन्य जिलों से प्रतिनियुक्त कर्मी जिनकी प्रतिनियुक्ति सदर अस्पताल में हो उनके आवासन की व्यवस्था परिसर में होने से सुविधा होगी।इस मांग पर डॉ शरद कुमार ने लिपिक चितरंजन विश्वकर्मा से कहा कि इससे संबंधित एक पत्र उपाधीक्षक स्तर से सिविल सर्जन देवघर को लिखा जाए।उपाधीक्षक डॉ प्रभात रंजन ने स्पष्ट निर्देश दिया कि ड्यूटी में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस बैठक में मुख्य रूप में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुषमा वर्मा,डॉ निवेदिता,डॉ रवि रंजन,डॉ राजीव कुमार,डॉ निताशा,डॉ रवि शेखर,डॉ रवि कुमार के अलावा प्रयोगशाला प्रभारी मनोज मिश्रा,लिपिक विजय प्रसाद,स्टाफ नर्स संगीता राजहंस,प्रियंका कुमारी,स्वेता भारती,आउटसोर्स कंपनी के सुपरवाइजर विकास केशरी के अलावा अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

पाकुड़ पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, जिलेटिन और डेटोनेटर से भरा घर सील

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत डोमननगरिया गांव में शुक्रवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की है। गुप्त सूचना के आधार पर महेशपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार की अगुवाई में गठित विशेष टीम ने छापेमारी कर यह सफलता हासिल की। इस दौरान पुलिस ने एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार युवक की पहचान समसुल हसन उर्फ राजा बाबू, पिता मो. राजा मियां, निवासी डोमननगरिया के रूप में हुई है। उसके घर से बड़ी संख्या में जिलेटिन और डेटोनेटर बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पाकुड़िया थाना में कांड संख्या 28/2025 दर्ज करते हुए इठर की धारा 317(5)/3(5) और विस्फोटक अधिनियम की धारा 3/4 के तहत कार्रवाई की गई है। बरामद विस्फोटक सामग्री में खअ ऋ्र्रू इएठएऋ्रूऊ ढफएटक्र्रूट लिखा हुआ पाया गया है। भारी मात्रा में डेटोनेटर, जिलेटिन और डढढड कंपनी का एक मोबाइल फोन (क्टएक नंबर दर्ज) शामिल हैं।वहीं इस छापेमारी टीम में विजय कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, महेशपुर,अमित कुमार सिंह, थाना प्रभारी, पाकुड़िया,सहायक अवर निरीक्षक पप्पु चौधरी और महादेव चौधरी सहित अन्य सशस्त्र बल और चौकीदार शामिल थे।

पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस

पुलिस सूत्रों की मानें तो इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री का मिलना गंभीर मामला है। इससे अवैध खनन या किसी बड़ी आपराधिक साजिश की आशंका जताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के आधार पर पुलिस अन्य संलिप्त लोगों की तलाश में जुट गई है।

शांति भंग की साजिश को वक्त रहते किया नाकाम

पुलिस की इस कार्रवाई से एक बार फिर साबित हो गया है कि जिले में अवैध गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समय रहते उठाया गया यह कदम संभावित अनहोनी को रोकने में मददगार साबित हुआ है।पुलिस की तत्परता से एक बड़ी वारदात टली, अब आगे की कार्रवाई पर टिकी निगाहें।

आरोप मरीज को ले जा रही एंबुलेंस में नहीं थी किसी तरह की सुविधा

तीन लोगों की जान आई आफत में एम्बुलेंस का ड्राइवर नशे में था धुत

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः पाकुड़ सदर प्रखंड अंतर्गत नवादा पंचायत के एक व्यक्ति के आरोप के अनुसार सदर अस्पताल के एंबुलेंस चालक की वजह से तीन लोगों की जान आफत में आ गई थी. आरोप है कि 20 साल के नवादा के रहने वाले अहद शेख जिसे बिजली का जोरदार झटका लगा था. जिसके बाद घायल लड़के को अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस मंगाई गई, आरोप है की एंबुलेंस के चालक नशे में धुत था.. मरीज को इमरजेंसी में ऑक्सीजन की जरूरत थी. लेकिन एंबुलेंस में ऑक्सीजन कि सुविधा नहीं मिली जिसके कारण मरीज अहद शेख मुर्शिदाबाद के फरक्का के एक निजी अस्पताल (हयात) मैं जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है. दुआ यही है की अहद शेख सही सलामत घर लौटे. परिजनों ने जिला प्रशासन से इस मामले की तहकीकात करते हुए अस्पताल की एंबुलेंस व्यवस्था पर सुधार करने की अपील की.. साथ ही उन्होंने कहा ऐसे ड्राइवर जो नशे की हालत में गाड़ी चलाते हो उनके ऊपर भी जिला प्रशासन सख्ती से करवाई करें.

डीएवी सातर में शिक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल,भण्डारकोला में झारखंड जोन-एच के शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्राचार्य सह झारखंड जोन एच के क्लस्टर हेड बलराम कुमार झा, पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित डीएवी ऊर्जानगर के प्राचार्य एस के श्रीवास्तव, बीएनएस डीएवी जूनियर के प्राचार्य योगेश्वर शर्मा, बिरसा मुंडा डीएवी बुंडू के प्राचार्य तन्मय बनर्जी, एसआरके डीएवी सरिया के प्राचार्य आर के सिंह, टाटा डीएवी चैनपुर के प्राचार्य तारकेश्वर कुमार ,डीएवी महेशपुर के प्राचार्य इस के मिश्रा और एस पी माइंस चित्रा के प्राचार्य राघवेंद्र तिवारी, सीसीएल डीएवी के प्राचार्य ओ पी गोयल, डीएवी पाकुड़ के प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती, डीएवी कोडरमा के प्राचार्य के के सिंह, डीएवी जामताड़ा के प्राचार्य डॉ विजय कुमार और कास्टर टाउन डीएवी के प्राचार्य दिलीप कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया। डीएवी में हरेक शैक्षणिक सत्र में दो बार, डीएवी सेंटर ऑफ एकेडमिक एक्सीलेंस के तत्वावधान में और सहायक क्षेत्रीय अधिकारी डीएवी, झारखंड जोन-एच के संरक्षण में इस तरह की कार्यशाला आयोजित की जाती है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं सीबीएसई के गाइडलाइन के अनुरूप बच्चों में शिक्षा का संचार करना है।इसमें विद्यालय के शिक्षकों द्वारा नई तकनीक का प्रयोग कर एवं खेल विधि का अनुसरण कर शैक्षणिक गतिविधियों को आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम में कई शिक्षकों ने खेल विधि के द्वारा कई गतिविधियां भी प्रस्तुत की ।झारखंड जोन-एच के सभी विद्यालयों के हिंदी, अंग्रेजी, गणित, भौतिक विज्ञान,जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, एकाउंटेंसी, बिजनेस स्ट्डीज,फिजिकल एजुकेशन,संस्कृत, कंप्यूटर, दृश्य कला एवं प्रदर्शन कला और लाइब्रेरी साइंस के 488 शिक्षक इस कार्यशाला में भाग ले रहे हैं। अपने स्वागत भाषण में प्राचार्य सह झारखंड जोन एच के क्लस्टर हेड बलराम कुमार झा ने कहा कि क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्देश्य सभी स्तरों पर पढ़ाने वाले शिक्षकों की विशेषज्ञता, शिक्षण योग्यता और दक्षताओं को बढ़ाना है।उन्होंने शिक्षकों को प्रशिक्षण प्राप्त कर इसका सीधा लाभ अपने शिक्षण कौशल वर्धन में लगाने की अपील की।उन्होंने शिक्षा से सहयोगात्मक रवैया अपनाने की अपील की न की प्रतिद्वंदात्मक।डीएवी सीएमसी, नई दिल्ली के अध्यक्ष पद्मश्री पूनम सूरी जी, निदेशक पीएस डॉ वीर सिंह, निदेशक एकेडमिक डॉ. निशा पेसिन, और एआरओ, झारखंड जोन एच, डॉ प्रबीर हाजरा को उन्होंने इस तरह के कार्यक्रम के लिए धन्यवाद भी दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक शिक्षिकाओं के अलावा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की अहम भूमिका रही।

बड़कागांव-केरेडारी में बिजली संकट चरम पर: कोयले से देश रोशन, खुद अंधेरे में जनता

विधायक रोशनलाल चौधरी का अल्टीमेटम : 24 घंटे में समाधान नहीं तो आंदोलन

केरेडारी/बड़कागांव संवाददाता झ्र रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

बड़कागांव और केरेडारी प्रखंड के लोग इन दिनों बिजली संकट से त्रस्त हैं। पिछले दो महीनों से बिजली की आंख-मिचौनी आम हो गई है। न तो बिजली आने का कोई तय समय है, न जाने का। जर्जर तारों, ओवरलोडिंग, बार-बार ट्रिपिंग और लो वोल्टेज जैसी समस्याओं ने लोगों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। गर्मी के इस भीषण दौर में स्थिति यह है कि कई गांवों में 5 घंटे से भी कम बिजली आपूर्ति हो रही है। इससे बच्चों की पढ़ाई, किसानों की सिंचाई और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इस ज्वलंत मुद्दे पर बड़कागांव के विधायक रोशनलाल चौधरी ने राज्य सरकार और बिजली विभाग पर सीधा हमला बोला है। विधायक चौधरी ने कहा कि वे लगातार बिजली विभाग के जीएम और अन्य अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है।

विधायक का अल्टीमेटमः

विधायक ने ऐलान किया है कि 12 जून को वे हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के साथ बिजली विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगे और 24 घंटे के भीतर बिजली आपूर्ति सुधारने का अल्टीमेटम देंगे। यदि समय पर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण जनता के साथ मिलकर वे ऋ्ट कार्यालय में तालाबंदी करेंगे और आवश्यकता पड़ी तो कोयला टासपोर्टिंग को भी रोकने जैसा बड़ा कदम उठाया जाएगा।

विडंबना और जनता का गुस्साः

बड़कागांव-केरेडारी क्षेत्र की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यहां से निकले कोयले से देश के महानगरों की रौशनी कायम है, जबकि खुद यह क्षेत्र अंधेरे में डूबा हुआ है। बिजली संकट को लेकर आम जनता में भारी आक्रोश है और अब वे अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए सड़क पर उतरने को तैयार हैं। बिजली विभाग ने हालांकि समस्या के समाधान के लिए शिविर लगाने की घोषणा की है, लेकिन क्षेत्रीय जनता ठोस कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

पोकलेन व हाइवा जलाने के मामले एक और आरोपी को भेजा गया जेल

मंडरो:

मिजाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत दामीनभीठा पत्थर खदान में दो जून के रात अपराधियों द्वारा दो पोकलेन एवं दो हाईवा जलाकर हड़कंप मचाया गया था। उक्त मामले में मिजाचौकी पुलिस को सफलता मिली थी। जिसमें कुल चार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। वही 34/25 कांड मामले में मिर्जाचौकी थाना के एसआई पवन कुमार ने गुरुवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया । वही थाना में पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। वही एस आई पवन यादव ने पुलिस बल के साथ गुप्ता सुचना के आधार पर मिजाचौकी थाना के गडरा पंचायत के कानाडीह गोसायचक गांव के निवासी बिट्टू चौड़े को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया । इस संबंध में एस आई पवन यादव ने बताया कि इस कांड में संलिप्त आरोपियों को धर पकड़ जारी रहेगा। वही मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव के नेतृत्व में मिजाचौकी पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है। जिसके बाद अपराधियों में डर का माहौल बना हुआ है।

साहिबगंज में जिला बाल संरक्षण इकाई की समीक्षा बैठक सम्पन्न

साहिबगंज:

विकास भवन सभागार में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU) की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बाल संरक्षण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और क्रियान्वयन की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक की शुरूआत में उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को बाल अधिकारों की रक्षा हेतु कर्तव्यों के प्रति सजग एवं उत्तरदायी रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों से जुड़ी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।बैठक में डीसीपीयू के कर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने, जेजे फंड से संबंधित खर्चों की समीक्षा तथा डीसीपीयू एवं चाइल्ड हेल्पलाइन कर्मियों के यात्रा व्यय के भुगतान को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही कार्यालय के सुचारू संचालन हेतु अकस्मिक व्यय के लिए अग्रिम राशि निर्धारित करने का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया।विकास भारती बालगृह में निवासरत बच्चों के विद्यालयों में नामांकन, आधार पंजीकरण एवं बैंक खाता खोलने की प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही बाल श्रम, बाल व्यापार और बाल विवाह से प्रभावित बच्चों एवं उनके परिवारों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु विशेष कार्य योजना बनाने पर जोर दिया गया।बैठक में ग्राम स्तरीय महिला, शिशु एवं सामाजिक कल्याण समिति के गठन की प्रक्रिया और उसकी उपयोगिता पर भी चर्चा हुई। यह समिति पंचायत स्तर पर बाल सुरक्षा एवं कल्याण के मुद्दों को चिन्हित कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करेगी।बैठक में सामाजिक सुरक्षा कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य, जेजेबी सदस्य, चाइल्ड हेल्पलाइन के कर्मी, विकास भारती बालगृह एवं मंथन संस्था के प्रतिनिधिगण, Associate for Voluntary Actionके समन्वयक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में लिए गए निर्णयों को शीघ्र लागू करने हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया, ताकि बाल संरक्षण की दिशा में सार्थक परिणाम सुनिश्चित हो सकें।

जिले के सभी 1167 आंगनबाड़ी केंद्रों में नशामुक्ति की दिलाई गई शपथ

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ में लाभार्थियों का पोषण ट्रैकर एप में एफ.आर.एस को लेकर शिविर का हुआ आयोजन, डाटा एंट्री में आ रही समस्याओं को लेकर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने किया भौतिक निरीक्षण डीसी पाकुड़ मनीष कुमार के निदेशानुसार शुक्रवार को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडिस बाड़ा के नेतृत्व में पाकुड़ जिला अंतर्गत सभी 1167 आंगनबाड़ी केंद्रों में नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत मादक पदार्थों पर रोक के लिए पूर्णता संकल्पित झारखंड सरकार द्वारा " नशे को ना जिंदगी को हांं का शपथ दिलाया गया, जिसमें सभी आंगनबाड़ी सेविका एवं आंगनबाड़ी सहायिका तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में उपस्थित सभी लाभार्थी ने भाग लिया। साथ ही सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगनबाड़ी सेविका को पोषण ट्रैकर ऐप में FRS में आ रही समस्या को लेकर शिविर का आयोजन किया गया एवं डाटा एंट्री में आ रही समस्याओं को लेकर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं कर्मियों द्वारा भौतिक निरीक्षण किया गया।

डीसी ने बैंकों के शाखा प्रबंधक के साथ की बैठक, दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में बैंकों के जिला समन्वय पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीसी मनीष कुमार ने पाकुड़ में वित्तीय धोखाधड़ी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करने का निर्देश स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पाकुड़, एचडीएफसी बैंक और झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक को दिया गया। कार्यशाला में वित्तीय साक्षरता और जागरूकता, साइबर धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी देना एवं लोगों को शिक्षित करना, पीएमईजीपी, सीएमईजीपी, पीएमएफएमई, पीएम स्वनिधि और अन्य योजनाओं के बारे में जागरूकता (ऋण पात्रता, दस्तावेजीकरण, लंबित प्रस्ताव आदि) एवं स्कूल बोर्ड परीक्षा में टॉपर्स का सम्मान, स्वयं सहायता समूह (SHG) दीदियों का सम्मान, शिक्षा ऋण स्वीकृति पत्रों का वितरण एवं एमएसएमई क्षेत्र में प्रत्येक बैंक से दो सफलता की कहानियों का संग्रह किया जाएगा। इसे संकलित कर जून के अंत तक एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा, जिसमें सफलता और धोखाधड़ी रोकथाम की कहानियाँ होंगी। उपायुक्त ने पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर एटीएम का स्थापना करने का निर्देश दिया। साथ ही साथ उपायुक्त ने महत्वपूर्ण बैंकिंग निदेशों का प्रचार-प्रसार, जिसमें धोखाधड़ी / बैंकिंग जागरूकता शामिल हो, संथाली और बांग्ला भाषाओं में कराने हेतु निर्देशित किया। साथ ही बैंकों का कैशबुक मिलान और सत्यापन करने एवं धरती आबा' पहल बैंक खाता खोलने का अभियान चलाने का निर्देश दिया।सीएसआर गतिविधि के तहत 18/19 जून को बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन करने एवं ग्रीन इनिशिएटिव के तहत प्रत्येक बैंक द्वारा 5 पेड़ लगाने हेतु निर्देशित किया। इसके अलावा परियोजना परिवर्तन के तहत जेल कैदियों के साथ जुड़ाव लिंक कार्यक्रमों की पहल करें। उपायुक्त ने कहा कि छात्रों के लिए बैंकिंग अनुभव प्राप्त करने हेतु इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

जिले को बहुत जल्द मिलेगा 5.5 एकड़ का मल्टीपरपस खेल स्टेडियम

जवाहर तालाब के समुचित विकास हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निर्देश

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा उपायुक्त कीर्तिश्री ने जिले के विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से तपेज स्थित प्रस्तावित समाहरणालय, जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, इनडोर स्टेडियम, जवाहर तलाब, नायकी तालाब का निरीक्षण किया। चतरा सदर प्रखंड क्षेत्र के तपेज स्थित कृषि विभाग के सामने 9.3 एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित समाहरणालय बनना है जिसका उपायुक्त ने जिले के वरीय अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के क्रम में कहा संबंधित विभाग से अनापति प्रमाणपत्र की स्थिति की जानकारी लेते हुए उक्त भू स्थल का मापी कराएं और इसके साथ ही आगे की कार्रवाई को प्रारंभ करें। जिससे जल्द से जल्द प्रस्तावित समाहरणालय निर्माण कार्य को प्रारंभ किया जा सके। वहीं जवाहर तलाव के सौंदर्यीकरण, टूटे बाउंड्री का मरम्मती कराते हुए और आवश्यक कार्यों के प्रस्ताव बना कर उपलब्ध कराने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम एवं इनडोर स्टेडियम का भी निरीक्षण कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नाइकी तालाब के साफ सफाई, जल स्तर, रंग रोगन का निरीक्षण कर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित करें कि तालाब के आस पास काफी लोग निवास करते हैं और शुक्रवार को साप्ताहिक हार्ट बाजार भी लगता है तालाब में गंदगी या इससे बदबू आने के कारण आमजनों को स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पर सकता है इसके लिए तालाब का निरंतर साफ सफाई करवाना सुनिश्चित करें और आवश्यकताओं का प्रस्ताव उपलब्ध कराएं।

प्रस्तावित मल्टीपरपस राष्ट्रमानक स्टेडियम का स्थल निरीक्षण

उपायुक्त ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के पीछे महिला कॉलेज समीपी न्यू प्रस्तावित मल्टीपरपस राष्ट्रमानक खेल स्टेडियम का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित जिला क्रीड़ा पदाधिकारी तुषार रॉय ने जानकारी दिया कि प्रस्तावित मल्टीपरपस खेल स्टेडियम में फुटबॉल, एथेलेटिक्स, बॉलीबॉल, बास्केटबॉल के साथ अन्य खेल की सुविधा उपलब्ध रहेगी। स्टेडियम के अंदर दर्शकों के बैठने के लिए पवेलियन रहेगा साथ ही साथ प्रशासनिक भवन भी रहेगा। जिसमें जिम, चेंजिंग रूम, शौचालय, योग समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध रहेगी। यह स्टेडियम 5.5 एकड़ में बनेगा इसकी सारी प्रक्रिया लगभग पूर्ण कर ली गई है प्रशासनिक स्वीकृति उपरांत कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के अंदर खेल विभाग चतरा द्वारा संचालित आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के निरीक्षण के दौरान तुषार रॉय ने जिले के खिलाड़ियों के खेल के प्रतिभा को निखाड़ने व युवा पीढ़ियों को नशा के लत से दूर कर खेल के क्षेत्र में आगे लाने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण केंद्र बनाया गया है जो कि 1 जून 2025 से संचालित है। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी विनीता कुमारी, जिला खेल पदाधिकारी सह जनशिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी तुषार रॉय, जिला नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के पीएमयू टीम समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

बिना सीटीओ और C2 के संचालित हो रही हड़गड़ा साइडिंग, कोल माफिया का बेखौफ साम्राज्य

अवैध कोयला कारोबार पर सवाल, ग्रामीणों में आक्रोश, प्रशासन मौन

दिव्य दिनकर, संवाददाता

टंडवा, चतरा

टंडवा प्रखंड के हड़गड़ा साइडिंग में बिना किसी वैध स्वीकृति (सीटीओ और C2) के अवैध कोयला कारोबार धड़ल्ले से जारी है। कोल माफिया, ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों और कथित बाहुबलियों की मिलीभगत से इस क्षेत्र में कानून को ताक पर रखकर खुलेआम कोयले का अवैध व्यापार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, आम्रपाली कोल परियोजना से कोयला शिवपुर साइडिंग तक पहुंचाया जाना तय है, लेकिन दूसरी ओर हड़गड़ा में निजी रेलवे साइडिंग के नाम पर अवैध धंधा चल रहा है। न तो इसका वैध सीटीओ (कंजेंट टू ऑपरेट) है और न ही उ2 की स्वीकृति, फिर भी यह कारोबार सक्रिय है। इस अवैध कारोबार की जानकारी चतरा जिला खनन पदाधिकारी और उपायुक्त तक नहीं पहुंच पाई, क्योंकि इस साइडिंग को जंगलों को उजाड़कर गुप्त रूप से स्थापित किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सीसीएल, कोल ट्रांसपोर्टिंग कंपनियां और कुछ प्रभावशाली नेता एवं माफिया इसकी संरचना में शामिल हैं।

करोड़ों की अवैध कमाई, कानून के रखवालों की चुप्पी

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इस काले धंधे से निकली काली कमाई से कुछ लोग आज करोड़ों के साम्राज्य के मालिक बन चुके हैं। न सिर्फ प्रदूषण से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि इसका विरोध करने पर ग्रामीणों को धमकाया जा रहा है। बाहरी उपद्रवियों के सहारे विरोध की आवाज को दबाया जा रहा है। झूठे केस में फंसाने और रंगदारी मांगने जैसी धमकियां दी जाती रही हैं। क्या कहते हैं अधिकारी?

जिला खनन पदाधिकारी:

खनन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि हड़गड़ा साइडिंग के पास न तो सीटीओ है और न ही C2 की अनुमति। उन्होंने यह भी बताया कि सीसीएल अधिकारियों द्वारा शिवपुर साइडिंग के नाम पर इसे संचालित किए जाने की बात कही गई है, लेकिन यदि दो अलग-अलग साइडिंग को भ्रम फैलाकर चलाया जा रहा है तो इसकी उच्च स्तरीय जांच कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिला वन पदाधिकारी (DFO) मुकेश कुमार:

फोन पर जानकारी देते हुए डीएफओ ने बताया कि उन्होंने क्षेत्रीय रेंजर और अन्य अधिकारियों को मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। यदि वन क्षेत्र का उल्लंघन पाया गया तो कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक निष्क्रियता से ग्रामीणों में आक्रोशक्षेत्र में फैलते इस अवैध कारोबार और प्रशासन की चुप्पी ने आम जनता में असंतोष भर दिया है। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि जब नियमों को दरकिनार कर दबंगों द्वारा क्षेत्र में अवैध गतिविधियाँ चलाई जा रही हैं, तो क्या कानून सिर्फ आम नागरिकों पर लागू होता है? अब देखना यह है कि क्या जिला प्रशासन, वन विभाग और खनन विभाग मिलकर इस अंधे और बेलगाम अवैध कारोबार पर लगाम लगाने में सफल हो पाते हैं या नहीं। फिलहाल, हड़गड़ा साइडिंग का संचालन ठप बताया जा रहा है, लेकिन ग्रामीणों को न्याय कब मिलेगा, यह सवाल आज भी अधूरा है।

कोडरमा में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

कोडरमा विजय यादव

झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के नेतृत्व में झारखण्ड राज्य आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ की जिला शाखा कोडरमा ने समाहरणालय भवन के सामने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कर्मचारियों ने झारखंड सरकार द्वारा जारी आउटसोर्सिंग मैनुअल में बदलाव की मांग की। प्रमुख मांगों में समान कार्य के लिए समान वेतन, कार्यरत कर्मियों की सेवा सुरक्षा 60 वर्ष तक, पूर्ववत पदस्थापन और संविदा के आधार पर समायोजन शामिल हैं। धरने में शैलेन्द्र कुमार तिवारी सहित कई वक्ताओं ने सरकार से मांगें नहीं माने जाने पर 15 जून को राज्यस्तरीय आंदोलन की चेतावनी दी। मौके पर शैलेन्द्र कुमार तिवारी, जिला अध्यक्ष झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ कोडरमा एवं मो शहनवाज, राजकुमार दास, शशिकान्त मणि, शशिपाण्डेय, कौशल किशोर सिंह, अनिल यादव, संदीप यादव, दीपक कुमार, चन्दन कुमार, सौरभ कुमार, अभिषेक कुमार, आशीष कुमार, अपसा प्रवीण, संजय कुमार शर्मा, हसन रजा, शैलेन्द्र कुमार, अजीत कुमार, श्वेता मुखर्जी एवं अन्य सभी आउटसोर्सिंग कर्मचारीय मौजुद रहे।

बिरहोर टोला में दस्तावेज शिविर आयोजित: 30 लोगों को मिला जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड में सुधार का लाभ

केरेडारी संवाददाता झ रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

केरेडारी प्रखंड के बुंडू पंचायत अंतर्गत बिरहोर टोला में गुरुवार को एक दिवसीय विशेष जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय को सरकारी योजनाओं से जोड़ना और उनकी पहचान संबंधी समस्याओं का समाधान करना था। प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) विवेक कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में कुल 30 बिरहोर परिवारों को जन्म प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके साथ ही 6 लोगों के नए आधार कार्ड बनाए गए और 10 लोगों के आधार कार्ड में आवश्यक सुधार भी किया गया। इससे बिरहोर समुदाय के इन परिवारों को अब राशन कार्ड, स्वास्थ्य सेवाएं, पेंशन एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में सुविधा होगी।

शिविर में रही अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी

शिविर में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रवि राजा, कल्याण पदाधिकारी प्रशांत कुमार, पंचायत सचिव वृज किशोर महतो, मुखिया तुलसी तुरी, डीलर मिथिलेश कुमार, प्रखंड ऑपरेटर मदन कुमार और जितेन्द्र समेत कई अन्य पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने बिरहोर समुदाय के लोगों को उनके अधिकारों और योजनाओं की जानकारी दी, साथ ही उन्हें जागरूक भी किया।

खुशी की लहर, आभार प्रकट

शिविर के सफल आयोजन से बिरहोर टोला में खुशी की लहर है। पहली बार इस समुदाय के कई परिवारों को आधिकारिक पहचान पत्र और दस्तावेज प्राप्त हुए हैं, जिससे उन्हें सरकारी सुविधाओं से वंचित नहीं रहना पड़ेगा। स्थानीय लोगों ने इस पहल के लिए प्रखंड प्रशासन के प्रति आभार जताया।

जिला उद्योग केंद्र अंतर्गत प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं पी०एम०एफ०एम०ई० योजना की समीक्षा बैठक संपन्न

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में जिला उद्योग केंद्र अंतर्गत प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं पी०एम०एफ०एम०ई० योजना की समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा के क्रम में उन्होंने सभी प्रखण्ड उद्यमी समन्वयक को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत आवेदकों का ज्यादा से ज्यादा पंजीकरण करने हेतु निदेशित किया। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत स्टेज 3 से स्वीकृत (523 आवेदकों, जिसमें 192-राजमिस्त्री, 115 बढ़ई मिस्त्री 192+115=307) शेष 15 क्राफ्ट के 216 प्रशिक्षित आवेदकों की सूची प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना (पी०एम०यू० टिम, राँची) से प्राप्त करने की बात कही। अग्रणी जिला प्रबंधक को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत स्टेज 3 से स्वीकृत आवेदन जो बैंको को दैनिक स्तर पर प्राप्त हो रहा है उसे त्वरित कार्रवाई करते हुऐ ऋण स्वीकृत करने में विलम्ब न किया जाय। आगे उन्होंने कहा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का जिला स्तरिय क्रियान्वयन समिति की बैठक करवाना सुनिश्चित करें। पी०एम०एफ०एम०ई० योजना का समीक्षा के दौरान सभी प्रखण्ड उद्यमी समन्वयकों को कहा ज्यादा से ज्यादा योग्य आवेदको का चयन करें और बैंको के साथ समन्वय स्थापित करते हुए उन्हें लाभान्वित करें। बैठक में महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र चतरा, अग्रणी जिला प्रवंधक बैंक ऑफ इण्डिया चतरा, जिला उद्यमी समन्वयक, प्रखंड उद्यमी समन्वयक ,मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड चतरा समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

झारखंड विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति के सभापति की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ शुक्रवार को झारखंड विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति के सभापति सह माननीय धनबाद विधायक राज सिन्हा, माननीय बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो एवं माननीय शिकारीपाड़ा विधायक आलोक कुमार सोरेन से उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने मुलाकात कर सभी का स्वागत किया। इसके अलावा झारखंड विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति की बैठक पाकुड़ परिसदन के सभागार में आयोजित हुई। इसके अलावा बैठक के दौरान बैठक के दौरान समिति ने पेयजलापूर्ति योजनाएं, खनन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उत्पाद, बिजली विभाग, उद्योग विभाग, प्रदूषण विभाग, परिवहन विभाग, शिक्षा, कृषि, खाद्य, आपूर्ति, वन, श्रम, ग्रामीण कार्य, विशेष प्रमंडल, सिंचाई प्रमंडल,पथ निर्माण, पंचायत राज विभाग, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पशुपालन समेत अन्य विभागों के द्वारा संचालित योजनाओं के विगत तीन वित्तीय वर्षों में विकास कार्यों के प्रतिवेदनों व जनहित के मामलों पर जिला स्तरीय सभी विभाग के पदाधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया। साथ ही विभागवार प्राप्त अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन के आधार पर विभागीय पदाधिकारियों से जानकारी प्राप्त की और कई सुझाव व निर्देश दिये। इसके साथ ही समिति के सभापति ने सभी पदाधिकारियों को योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने का निर्देश दिया। आगे उन्होंने किसी भी योजना के संचालन में यदि कोई समस्या आ रही हो तो उसे जल्द से जल्द दूर करते हुए उसे पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने जनहित की योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए समय-समय पर उनकी निगरानी और निरीक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजुर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय अंडर 18 कबड्डी प्रतियोगिता के लिए जिला टीम चयनित

साहिबगंज:

कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के द्वारा 14 से 15 जून 2025 को बोकारो में प्रथम झारखंड राज्य अंडर 18 कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है ।जिसमें जिला टीम की भागेदारी को लेकर जिला कबड्डी संघ के द्वारा फूलों झानो इनडोर स्टेडियम में खेल बैंक द्वारा प्रदत अत्याधुनिक कबड्डी सिंथेटिक मैट पर बालिका खिलाड़ियों का चयन किया गया । जिसमें बालिका वर्ग में कई बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। अंतिम रूप से चयनित खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर भागेदारी हेतु जिला खेल कार्यालय द्वारा खेल बैंक से खेल कीट उपलब्ध कराया गया ।मौके पर जिला खेल पदाधिकारी पंकज कुमार झा ने बालिका खिलाड़ियों को शुभ कामना दी।

ऑपरेशन सिंदूर : संसद से क्यों भाग रही है मोदी सरकार!

>> विचार

"विशेष सत्र की मांग खारिज कर सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का ठीक यही अर्थ है। इस तिकड़म के जरिए, न सिर्फ इस चर्चा के तत्काल आवश्यक होने को नकार दिया गया है, इसके सहारे इसे सामान्य संसदीय सत्र के अनेक अन्य मुद्दों में से एक बनाकर, मामूली बनाने की ही कोशिश की जाएगी। इस खेल को मणिपुर के घटनाक्रम पर संसद में बहस का जो हश्र हुआ था, उसके उदाहरण से समझा जा सकता है। केंद्रित बहस के बजाय, ज्यादा से ज्यादा एक सामान्य विस्तृत बहस की इजाजत दी जाएगी और हैरानी की बात नहीं होगी कि उसे भी खींच-खींचकर सत्र के अंत पर धकेल दिया जाए, जिससे सत्र का समापन इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी के लफ्फाजी भरे भाषण के साथ कराया जा सके।

राजेंद्र शर्मा

मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, ठीक यही अर्थ है। आखिरकार, मोदी सरकार ने पहलगाम के आतंकवादी हमले और उसके बाद, 'आपरेशन सिंदूर' समेत पूरे घटनाक्रम पर संसद में अलग से चर्चा कराए जाने की मांग को खारिज कर दिया है। बेशक, मोदी सरकार ने सीधे-सीधे इस मांग को नहीं ठुकराया है। सच तो यह है कि आधिकारिक रूप से तो उसने इस समूचे घटनाक्रम पर संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की विपक्ष की लगभग पूरी तरह से एकजुट मांग को दर्ज तक करना जरूरी नहीं समझा है, तब इस मांग को स्वीकार किए जाने का तो सवाल ही कहां उठता था। मोदीशाही ने संसद के विशेष सत्र की मांग को ठुकराया है, संसद के आगामी मानसून सत्र की तारीखों की समय से पहले घोषणा करने के जरिए। सरकार के फैसले के अनुसार, संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से होने जा रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि संसद के विशेष सत्र तथा पूरे घटनाक्रम पर संसद में बहस की बढ़ती मांगों की ही काट करने के लिए, अभी से अगले सामान्य सत्र की तारीखों की घोषणा कर दी गयी है। प्रस्तावित सत्र से डेढ़ महीने से भी ज्यादा पहले, 4 जून को इन तारीखों के ऐलान से इसमें किसी शक की गुंजाइश नहीं रह जाती है कि संसद के विशेष सत्र की मांगों को खारिज करने के लिए ही, इतने पहले से प्रस्तावित सामान्य सत्र की तरीखों का ऐलान किया गया है। सामान्यतः सत्र के शुरू होने की तारीख के ज्यादा से ज्यादा दो-तीन सप्ताह पहले ही, आगामी सत्र की तारीखों की घोषणा की जाती रही है। मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर

फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, ठीक यही अर्थ है। इस तिकड़म के जरिए, न सिर्फ इस चर्चा के तत्काल आवश्यक होने को नकार दिया गया है, इसके सहारे इसे सामान्य संसदीय सत्र के अनेक अन्य मुद्दों में से एक बनाकर, मामूली बनाने की ही कोशिश की जाएगी। इस खेल को मणिपुर के घटनाक्रम पर संसद में बहस का जो हश्र हुआ था, उसके उदाहरण से समझा जा सकता है। केंद्रित बहस के बजाय, ज्यादा से ज्यादा एक सामान्य विस्तृत बहस की इजाजत दी जाएगी और हैरानी की बात नहीं होगी कि उसे भी खींच-खींचकर सत्र के अंत पर धकेल दिया जाए, जिससे सत्र का समापन इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी के लफ्फाजी भरे भाषण के साथ कराया जा सके। जिस तरह मणिपुर के मामले में संसद के किसी भी हस्तक्षेप का विफल होना सुनिश्चित किया गया था और यहां तक केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने का फैसला लिया भी तो, उक्त बहस से लंबे अंतराल के बाद, राष्ट्रधारी पार्टी के अपने ही तकाजों से इसका फैसला लिया था। उसी प्रकार, पहलगाम और उसके बाद के घटनाक्रम पर, किसी भी जवाबदेही से सरकार को बचाने की ही कोशिश की जा रही होगी। ऐसा किसलिए किया जा रहा है, यह जानना मुश्किल नहीं है। इसके पीछे औपचारिक रूप से तो कोई तर्क ही नहीं है क्योंकि जैसा कि हमने पहले ही कहा, सरकार ने विशेष सत्र बुलाने की मांग को सुना-अनसुना ही कर दिया है। बहरहाल, अनौपचारिक रूप से इसके पीछे जो तर्क काम कर रहा है, उसकी झलक हमें मोदीशाही की ट्रोल सेना से लेकर सत्ताधारी पार्टी के प्रवक्ताओं तक के अलग-अलग बयानों में दिखाई दे जाती है। इस तर्क का सार यही है कि विपक्ष को और जाहिर है कि उसके माध्यम से आम जनता को, सरकार द्वारा जो कुछ कहा-बताया गया है, उसके अलावा कुछ भी जानने की जरूरत ही क्या है? इसी तर्क का विस्तार है कि संसद में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी द्वारा साढ़े तीन दिन के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय पक्ष को हुए नुकसान के बारे में सवाल पूछे जाने पर, इस तरह के सवालों को 'पाकिस्तान की आवाज' करार देकर, दबाए जाने की ही कोशिशें की गयी हैं। और शस्त्रविराम के पूरे महीने भर बाद भी आधिकारिक रूप से इस सैन्य कार्रवाई में भारतीय पक्ष के नुकसान की, खासतौर पर विमानों के नुकसान की, कोई जानकारी देना ही जरूरी नहीं समझा गया है। हद से हद उच्च सैन्य अधिकारियों की ओर से गोल-मोल तरीके से यह स्वीकार किया गया है कि, 'लड़ाई में नुकसान तो होता ही है'। जाहिर है कि इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का यह ऐलान एक आसान बहाना बन गया है कि 'आपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ पॉज हुआ है।' शस्त्रविराम के बाद भी लड़ाई जारी रहने की यह मुद्रा, किसी भी वास्तविक जवाबदेही के तकाजों के खिलाफ एक बड़ी ढाल बन जाती है। कहने की जरूरत नहीं है कि पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक, सरकार से जवाब लिए जाने के लिए थोड़ा नहीं, बहुत कुछ है। बेशक, पहलगाम की दरिंदगी के डेढ़ महीने से ज्यादा गुजर जाने के बाद भी ये सवाल अनुत्तरित ही बने हुए हैं कि इस घटना के पीछे की सुरक्षा चूक के लिए कौन जिम्मेदार था और इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले आतंकवादी, कहां से आए थे और कहां गायब हो गए? लेकिन, पहलगाम की घटना से, उसकी जिम्मेदारी से संबंधित सवाल ही नहीं हैं, जो अनुत्तरित बने हुए हैं। इस घटना के बाद से मोदी सरकार की जो प्रतिक्रिया सामने आई है और खासतौर पर 'आपरेशन सिंदूर' के नाम से जो सैन्य प्रतिक्रिया सामने आई है, उसे लेकर भी कोई कम सवाल नहीं हैं। इसमें, जिस प्रकार शस्त्र विराम हुआ है उससे जुड़े और खासतौर पर शस्त्रविराम कराने में अमरीकी प्रशासन की भूमिका से जुड़े सवाल भी शामिल हैं। हम इसकी ओर से आंखें नहीं मूंद सकते हैं कि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अब तक एक दर्जन बार इसका दावा किया है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराया है, नाभिकीय टकराव के खतरे को टालने के लिए युद्ध विराम कराया है और व्यापार का लालच/धमकी देकर युद्ध विराम कराया है। और प्रधानमंत्री मोदी ने इन दावों पर चुप्पी ही साधी हुई है। और कुछ हो न हो, 'आपरेशन सिंदूर' के जरिए आतंकवाद के समर्थन के लिए पाकिस्तान को सजा देने के चक्कर में, भारत-पाकिस्तान के बीच के झगड़े में, अमेरिका के रूप में ताकतवर तीसरे पक्ष को ले आया गया है। इसने इसे भारत के लिए एक प्रकार से खुद अपने ही पाले में गोल करने का मामला बना दिया है। लेकिन, सवाल सिर्फ तीसरे पक्ष को बीच में ले आए जाने का ही नहीं है। आतंकवादियों की कार्रवाई के जवाब के तौर पर इस तरह की सैन्य कार्रवाई का चुनाव भी, बड़े सवालों के घेरे में है। इस तरह के विकल्प को ही प्रधानमंत्री मोदी का 'नया नॉर्मल' घोषित करना तो और भी बड़े सवालों के घेरे में है। बेशक, भारत की ओर से शुरूआत में टकराव को सीमित रखने की और प्रहार को आतंकवादी ठिकानों पर सीमित रखने की कोशिश की गयी थी। विदेश मंत्री के अनुसार, इस संबंध में शुरूआत में ही पाकिस्तान को सूचित भी कर दिया गया था, जिससे वह जवाबी सैन्य कार्रवाई से दूर रहे। लेकिन, यह सब जिस पूर्वानुमान पर आधारित था कि पाकिस्तान अपनी सीमाओं में घुसकर सैन्य कार्रवाई किए जाने को बिना सैन्य जवाब के स्वीकार कर लेगा, न सिर्फ गलत साबित हुआ बल्कि उसे तो गलत साबित होना ही था। इस गलत पूर्वानुमान के आधार पर सैन्य विकल्प का चुनाव किया गया, जो वस्तुगत रूप से बहुत महंगा साबित होने के अर्थ में उल्टा ही पड़ा है। एक ओर इन तमाम प्रश्नों पर देश की संसद का मुंह पहलगाम की घटना के पूरे तीन महीने बाद तक बंद ही रखने का इंतजाम कर दिया गया है और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सत्ताधारी संघ-भाजपा ने, 'आपरेशन सिंदूर' को राजनीतिक/चुनावी रूप से भुनाने की जबर्दस्त मुहिम छेड़ रखी है। यह मुहिम बेशक, बिहार के आने वाले विधानसभाई चुनाव पर केंद्रित है, जो इसी साल और कुछ ही महीनों में होने जा रहा है। लेकिन, यह मुहिम पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल आदि के चुनाव के लिए भी, है जो अगले साल के शुरू के महीनों में होने हैं। इसी के लिए, लड़ाई रुकने के महीने भर बाद भी, 'रगों में सिंदूर दौड़ता है' की लफ्फाजी के जरिए, युद्धोन्माद बनाए रखा जा रहा है। संसद को पंगु बनाकर, इस तरह की मुहिम का चलाया जाना, बेशक मोदीशाही के तानाशाहाना मिजाज की ही गवाही देता है। इसे देखते हुए, हैरानी की बात नहीं है कि शेष दुनिया आज, आतंकवाद का शिकार होने के बावजूद, भारत के साथ खड़े होने से कतरा रही है। धर्मनिरपेक्षता और जनतंत्र, देश के अंदर दोनों को दफ्न करने पर तुली मोदीशाही की नीयत पर, बाहरी मामलों में भी कोई भरोसा करेगा भी तो कैसे?

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

संपादकीय

घटना ने झकझोर दिया

भारत में विवाह एक पवित्र बंधन है, जिसमें जीवन भर के रिश्ते की बुनियाद पड़ती है। एक विश्वास के साथ युगल अपने नए जीवन की यात्रा आरंभ करता है। पति और पत्नी दोनों को भरोसा होता है कि जब भी वे मुश्किल डगर पर होंगे, तो एक-दूसरे को संभाल लेंगे। इंदौर के राजा रघुवंशी शादी के एक हफ्ते बाद अपनी मधुर स्मृतियों को सहेजने के लिए पत्नी के साथ जब मेघालय गए होंगे, तब उन्हें पता नहीं होगा कि वे कभी लौट कर घर नहीं आएंगे और उनका हनीमून एक भयावह घटना में बदल जाएगा। शिलांग में पर्यटन के दौरान यह नवयुगल लापता हो गया था। इसके बाद एक खाई में राजा का शव मिला। तब से उनकी पत्नी सोनम गायब थी। पुलिस उसे ढूंढ़ती रही। सात दिन बाद पता चला कि वह गाजीपुर में है। इसके बाद देश को झकझोर देने वाली इस घटना से पर्दा उठ गया। पुलिस का दावा है कि सोनम ने ही पति की हत्या भाड़े के हत्यारों से कराई है। उसने आत्मसमर्पण जरूर कर दिया है, लेकिन सवाल उठता है कि अगर उसे आपत्ति थी, तो उसने यह शादी ही क्यों की?पिछले एक अरसे में नवदंपतियों के बीच बढ़ते अविश्वास और मतभेद के कारण कलह, मारपीट और तलाक के मामले बढ़े हैं। जीवन भर एक-दूसरे का साथ निभाने का जो वचन दिया जाता है, वह कुछ दिनों या महीनों में टूटने लगता है। दोनों पक्ष के परिवारों के समझाने-बुझाने पर भी कई बार पति-पत्नी साथ नहीं रहते और नवयुगल का घरौंदा बसने से पहले ही उजड़ जाता है। उत्तर प्रदेश में अपराध पर काबू पाने के दावे में देखी जा रही है हड़बड़ी, नाहक ही बिना अपराध के तीन वर्ष जेल में काटनी पड़ी जेल मगर सवाल है कि वे कौन से कारण हैं, जिनकी वजह से नवदंपतियों में टकराव की नौबत पैदा होती है। इसे समझना होगा। दरअसल, इसके पीछे अति महत्त्वाकांक्षा, सुख-सुविधाएं और अवैध संबंध तो हैं ही, वहीं परिवार के दबाव में अनिच्छा से की गई शादी भी बड़ी वजह है। फिलहाल सोनम पर जो गंभीर आरोप लगे हैं, इसका जवाब अब उसी को देना है। मगर, इस घटना ने सभी को झकझोर दिया है।

संत कबीर जयंती: विचारों की क्रांति का महापर्व

प्रो. आरके जैन

संत कबीरदास-एक ऐसी चिंगारी, जो सदियों बाद भी अंधेरे को भस्म करती है, एक ऐसी वाणी, जो पाखंड की बेड़ियों को तोड़ती है, और एक ऐसा दर्शन, जो मानवता को सत्य और प्रेम की राह दिखाता है। जब भारतीय संत परंपरा का जिक्र होता है, तो कबीर का नाम तूफान की तरह गूँजता है-न झुकने वाला, न थमने वाला। वे न राजसत्ताओं के गुलाम थे, न धर्मों के ठेकेदार। उनकी हर साखी, हर दोहा, हर शब्द एक हथौड़ा है, जो अज्ञान, जातिवाद और ढोंग की दीवारों को चूर-चूर करता है। उनकी जयंती, ज्येष्ठ पूर्णिमा, जो 11 जून 2025 को देश के कोने-कोने में उत्साह के साथ मनाई जाएगी, केवल एक तिथि नहीं, बल्कि एक क्रांति का शंखनाद है-सत्य, समानता और करुणा की चेतना का महापर्व। यह वह दिन है, जब कबीर की आवाज हमें झकझोरती है-जागो, बंदे! पाखंड छोड़ो, सत्य को गले लगाओ। कबीर का जन्म 15वीं शताब्दी में माना जाता है, हालांकि उनके जन्मकाल को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं। कुछ स्रोत 1398 को उनका जन्मवर्ष बताते हैं, तो कुछ 1440 के आसपास। उनकी जन्मकथा रहस्य से भरी है-कहा जाता है कि वे काशी (आधुनिक वाराणसी) में एक विधवा ब्राह्मणी के गर्भ से प्रकट हुए, जिन्हें स्वामी रामानंद का आशीर्वाद प्राप्त था। उनका पालन-पोषण नीरू और नीमा, एक जुलाहा दंपति ने किया। निम्न मानी जाने वाली जाति में जन्मे कबीर ने कभी सामाजिक भेदों को स्वीकार नहीं किया। उनका जीवन इस सत्य का जीवंत प्रमाण है कि आत्मा की शुद्धता और विचारों की ऊँचाई ही मानव की सच्ची पहचान है। कबीर ने निर्गुण भक्ति का मार्ग चुना, जिसमें ईश्वर निराकार, सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान है। उन्होंने मंदिर-मस्जिद के आडंबरों को ठुकराया और ईश्वर को हृदय में खोजने का संदेश दिया। उनका दोहा-"मोको कहाँ ढूँढे

रे बंदे, मैं तो तेरे पास में। ना मैं मंदिर, ना मैं मस्जिद, ना मैं काबे कैलास में। न केवल उनकी आध्यात्मिक गहराई को उजागर करता है, बल्कि धार्मिक पाखंडों पर करारा प्रहार भी करता है। कबीर की रचनाएँ-दोहे, साखियाँ और शब्द-भाषा की सरलता और विचारों की तीक्ष्णता का अनुपम संगम हैं। उनकी रचनाएँ अवधी, भोजपुरी और हिंदी के मिश्रण में हैं, जो आम जन की जुबान थीं। उनका एक और प्रसिद्ध दोहा-"पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय। ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।-यह सिखाता है कि सच्चा ज्ञान वह नहीं जो शास्त्रों में कैद हो, बल्कि वह जो प्रेम, करुणा और मानवीयता को जागृत करे। कबीर ने धार्मिक गुरुओं, पंडितों और मुल्लाओं की खोखली विद्वता पर तीखे व्यंग्य किए। उनकी वाणी में जीवन का हर पहलू-सामाजिक असमानता, धार्मिक ढोंग, नैतिकता और आत्म-जागरूकता-स्पष्ट रूप से उभरता है। उनकी रचनाएँ 'बीजक', 'साखी', 'शबद' और 'रमैनी' जैसे संग्रहों में संकलित हैं, जो आज भी भक्ति और दर्शन के साधकों के लिए मार्गदर्शक हैं। कबीर एक गृहस्थ संत थे। उन्होंने लोई नामक महिला से विवाह किया और उनके बच्चे-कमाल और कमाली-थे। गृहस्थ जीवन जीते हुए भी उनका जीवन सादगी, वैराग्य और सत्यनिष्ठा का प्रतीक था। वे समाज में रहकर उसे सुधारने का साहस रखते थे। उनकी शिक्षाओं ने संत रैदास, धन्ना, पीपा जैसे अनुयायियों को प्रेरित किया, और कबीरपंथ आज भी उनके विचारों को जीवित रखता है। कबीर ने नारी को सम्मान दिया और हर रिश्ते को आध्यात्मिकता से जोड़ा। उनका यह विश्वास-जात न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान। मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान। सामाजिक भेदभाव को नकारता है और ज्ञान को सर्वोपरि मानता है। कबीर जयंती का उत्सव केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है। इस दिन देशभर में कीर्तन, भजन, सत्संग और उनके दोहों पर आधारित गोष्ठियाँ होती हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में यह पर्व विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है। लेकिन कबीर जयंती का असली मर्म उनके विचारों को आत्मसात करने में है। आज का समाज फिर से जातिवाद, धार्मिक कट्टरता और नैतिक पतन की बेड़ियों में जकड़ा है। ऐसे में कबीर का यह दोहा-"चलती चाकी देख के, दिया कबीरा रोय। दो पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोय।"-हमें याद दिलाता है कि समाज की क्रूर व्यवस्था में हर व्यक्ति पीस रहा है। कबीर इस व्यवस्था को तोड़ने और सत्य, प्रेम व समानता का समाज बनाने के पक्षधर थे। कबीर ने कभी तलवार नहीं उठाई, पर उनके शब्दों में वह शक्ति थी जो राजसत्ताओं और धार्मिक ठेकेदारों को चुनौती दे सके। उनकी वाणी-"मन का साँच झूठे से ऊँचा, साँच बिना सब सून।"-हमें सिखाती है कि सत्य के बिना जीवन निरर्थक है। आज जब हम कबीर जयंती मनाते हैं, तो यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि आत्मपरीक्षण का अवसर है। क्या हम अब भी धर्म और जाति के नाम पर बँटे हैं? क्या हम अब भी सत्य को छोड़कर आडंबरों में जी रहे हैं? कबीर की शिक्षाएँ हमें प्रेम और करुणा का मार्ग दिखाती हैं, जो मानवता को एकजुट कर सकता है। कबीरदास एक शाश्वत ज्योति हैं, एक ऐसी गूँज जो सदियों बाद भी थमती नहीं। उनकी जयंती हमें पुकारती है-उठो! ढोंग की परतें उतारो, प्रेम की राह अपनाओ, और सच्चा इंसान बनो। यह पर्व केवल एक दिन की श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि हर दिन को कबीरमय बनाने का संकल्प है। उनकी वाणी हमारे अंतर्मन को झकझोरती है, हमें अपने भीतर झाँकने को मजबूर करती है। कबीर की विरासत वह चेतना है, जो हमें समाज के छल और समय की सीमाओं से परे ले जाती है। इस जयंती पर कबीर के विचारों को न केवल याद करें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारें। यह वही सच्ची पूजा होगी, जो कबीर के सपनों को साकार करेगी-एक ऐसा समाज, जहाँ न जाति हो, न धर्म का झगड़ा, केवल प्रेम और सत्य का राज हो। कबीर की आवाज आज भी गूँज रही है, और यह हम पर है कि हम उस पुकार को सुनें और उसका अनुसरण करें।

श्रम की खुशबू और सफलता

संजीव ठाकुर

किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए सही योजना परिकल्पना तथा रणनीति अत्यंत आवश्यक है अपने लक्ष्य के अनुसार अपनी क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए व्यक्ति को अपनी प्राथमिकताएं सुनियोजित कर लेनी चाहिए, लक्ष्य प्राप्ति के लिए यह बहुत जरूरी है कि आपके पास उपलब्ध समय की गणना आवश्यक रूप से कर ले, अन्यथा अपने टारगेट से इधर उधर भटक सकते हैं, ऐसी स्थिति में मन को एकाग्र रखकर आत्मविश्वास को द्विगुणित कर के एकाग्रता को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करना एक महत्वपूर्ण कदम होगा, सर्वप्रथम आप अपनी क्षमता शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानिए एवं लक्ष्य की तरफ एक एक सोपान धीरे धीरे बढ़ाते जाएं, लक्ष्य के स्वरूप और छोटा या बड़ा होने की मन में कल्पना न करें, लक्ष हमेशा लक्ष्य होता है छोटा बड़ा नहीं, इसके लिए बहुत ही ठंडे दिमाग से योजना बनाकर लक्ष्य की प्राप्ति के उपायों को मन ही मन तय करें एवं प्राथमिकता के आधार पर उसकी धीरे धीरे तैयारी करना शुरू करें सफलता के लिए अपने संसाधन सुनिश्चित करने के पश्चात एक सुनियोजित योजना बनाकर समय की प्रतिबद्धता के हिसाब से धीरे-धीरे आगे की ओर अपने कदम न सुनिश्चित करें लक्ष्य प्राप्ति के लिए जो सबसे बड़ा शस्त्र है वह समय का सदुपयोग, क्योंकि हम सभी को मालूम है कि हमारे पास दिन में सिर्फ 24 घंटे ही उपलब्ध होते हैं, इसमें हमें दैनिक दिनचर्या शारीरिक एवं मानसिक शक्ति प्राप्त करने के लिए समय निकालने की आवश्यकता होगी, ऐसे में समय का समुचित उपयोग एक सफल नियोजन कर्ता की तरह किया जाना चाहिए, उपलब्ध समय में उचित समय पर उठना स्नान, ध्यान, भोजन एवं मानसिकता दृढ़ता के लिए समुचित नींद या निद्रा की अत्यंत आवश्यक होती है किसी ने सच कहा है, मन के हारे हार है और मन के जीते जीत, यदि आपको जीवन में जीत या सफलता प्राप्त करनी है तो आप मानसिक दृढ़ता के साथ आप आत्मविश्वास से लवरेज यानी ओतप्रोत होने के लिए तैयार हो जाए, लक्ष्य छोटा हो या बड़ा घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मनुष्य का मस्तिष्क ही सोच के हिसाब से सफलता लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सक्षम होता है काम करने से पहले ही यदि आप आधे मन से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे तो सफलता प्राप्त होने में संदेह ही नहीं सारी परिस्थितियां संदिग्ध हो जाती है लक्ष्य की दूरहता या क्लिष्टता का पूर्वानुमान अपनी सफलता की तैयारी के पूर्व ही कर लिया जाना चाहिए और इन सब के लिए सुनियोजित रणनीति या कार्य योजना तैयार कर उस लक्ष्य की तरफ रुख किया जाना चाहिए। अपनी प्राथमिकताओं में सर्व प्रथम स्थान

नींद का होना चाहिए, सही वक्त पर पूरी नींद ही शरीर को चुस्त-दुरुस्त और सजग रखती है अतः दिन में मानसिक तनाव से दूर रहने के लिए संपूर्ण 6 से 8 घंटे नींद ले लेनी चाहिए, जिससे मानसिक चुस्ती आने के साथ कार्य क्षमता में वृद्धि होती है, अन्यथा आपका किसी कार्य में समुचित मन लगना संदिग्ध होगो, इसी तरह आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिनचर्या के कार्यों को या तो अच्छे से याद कर ले या उसे कॉपी या डायरी में अच्छी तरह लिख कर रखें और रोज ही अपने लिखे हुए कार्यों को सुचारू रूप से संपादित करें अपने कार्य को प्राप्त करने के लिए होमवर्क किया जाना होगा `सफलता की प्राप्ति के लिए दिन के लक्ष्य को कागज पर उतार कर उससे जुड़ी हुई विषमताओं एवं चुनौतियां को लिखकर चुनौतियों के समाधान को भी अपने मस्तिष्क में स्थापित कर लेना चाहिऐ जिससे यह आपको सुनिश्चित हो जाएगा कि आप लक्ष्य की कठिनाइयों को किस तरह दूर कर पाएंगे और इनका निदान किस तरह किया जा सकेगो कई बार ऐसे अवसर आएंगे जब आपका आत्मविश्वास आपकी उर्जा एवं शक्ति डगमगाने लगेगी, ऐसे मौके या तो आपकी शारीरिक कमजोरी,मानसिक शिथिलता, सामाजिक,पारिवारिक परिस्थितियों एवं काल के कारण आपके सम्मुख आ सकती हैइन परिस्थितियों में मनुष्य को लगने लगता है कि उनकी मेहनत और लक्ष्य अनायास व्यर्थ हो गई हैं, बस ऐसे ही समय में आपको अपने मस्तिष्क मे से नकारात्मक विचारों और सोच को दूर रख कर मनन कर आत्मविश्वास के साथ दूर कर आगे की ओर अग्रसर होना है यही समय है जब आपको अपने आप को संतुलित कर आगे की ओर ले जाना है, और सबसे अहम एवं महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि लक्ष्य प्राप्ति के दौरान आप नकारात्मक यानी कि नेगेटिव वातावरण एवं इस तरह की मानसिकता वाले व्यक्तियों से दूर रहकर मस्तिष्क में सकारात्मक ऊर्जा भरकर आत्मविश्वास से लबालब होना है इस तरह आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति की ओर पूरी ऊर्जा और सामर्थ्य के साथ प्राप्त करने के लिए अग्रसर होंगे, लक्ष्य प्राप्ति के साधनों तथा उससे जुड़े हुए समर्थ व्यक्तियों की तलाश में भी आपको सतत रहना होगा यदि आप प्रतियोगिता परीक्षा और उसकी सफलता के लिए प्रयासरत हैं तो ऐसे व्यक्तियों को सदैव बुद्धिमान एवं मेहनती अध्येता के साथ विचार विमर्श करना चाहिए एवं लाइब्रेरी या पुस्तक विक्रेताओं से सर्वश्रेष्ठ ज्ञानार्जन के लिए किताबों का संग्रह किया जाना चाहिए या किसी का अन्य लक्ष्य हो तो सदैव उसे समय की उपयोगिता तथा उसकी सार्थकता पर जरूर ध्यान केंद्रित कर सफल व्यक्तियों का अनुसरण किया जाना चाहिए तभी सफलता उनके कदम चूमेगी और सफलता का एक ही सूत्र एवं रहस्य है कि अपने मस्तिष्क की प्रबलता बनाए रखें जाने के साथ कड़ी मेहनत भी करें, तब जाकर सफलता व्यक्ति के कदम चूमती है

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

ग्रीनलैण्ड पब्लिक स्कूल में अहमदाबाद विमान हादसे में मृतकों की याद में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

चौपारण

अहमदाबाद में गुरुवार को हुए भीषण विमान हादसे में मारे गए 250 से अधिक लोगों की आत्मा की शांति के लिए पांडेयबारा चपरीकला स्थित ग्रीनलैण्ड पब्लिक स्कूल में शोकसभा आयोजित की गई। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक पंचम कुमार पाण्डेय, शिक्षकगण और छात्र-छात्र-ाओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय के निदेशक ने कहा पंचम कुमार पाण्डेय यह हादसा न केवल अहमदाबाद या देश की, बल्कि पूरी मानवता की एक गहरी क्षति है। यह हमें जीवन की अनिश्चितता और मानवीय मूल्यों की अहमियत का बोध कराता है। हमें मिलकर संवेदनशील और सहृदय समाज की स्थापना करनी चाहिए। यह भीषण दुर्घटना एयर इंडिया की लंदन जा रही फ्लाइट संख्या अक-171 के साथ हुई, जो अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ देर बाद बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल परिसर के मेस भवन से टकरा गई। फ्लाइट में कुल 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर्स सवार थे, जिनमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक शामिल थे। दुर्भाग्यवश, इस हादसे में एक यात्री को छोड़कर बाकी सभी की मौत हो गई। हादसे में बीजे मेडिकल कॉलेज के कई एमबीबीएस छात्रों और डॉक्टरों की भी जान चली गई, जबकि 60 से अधिक मेडिकल छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। विद्यालय परिवार की ओर से सभी मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई। साथ ही, मृतकों के परिजनों को इस दुःख की घड़ी में हौसला और सहनशक्ति प्रदान करने की कामना की गई। श्रद्धांजलि सभा में शिक्षकों में धनंजय कुमार, प्रीति कुमारी, अजली सिंह, सोहानी कुमारी, शम्मा प्रवीण, पूजा कुमारी, राशिक सिंह, मो इकबाल, मो मंसूर सहित अन्य उपस्थित रहे।

आम्रपाली कोल परियोजना में अवैध वसूली नहीं: भाजयुमो,विकास मालाकार

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवा:चतरा। भाजयुमो के जिला महामंत्री विकास मालाकार ने आम्रपाली के ट्रकों से अवैध वसूली को एक सिरे से खारिज करते हुए कहा कि आम्रपाली के विस्थापित परिवार अपने हक और अधिकार की लड़ाई लड रहे हैं। हर ट्रक से अवैध वसूली की खबरें शोषल मीडिया में वायरल होने पर भाजयुमो विस्थापित परिवार के साथ पूरी तरह खड़ा है। भाजयुमो के महामंत्री ने विकास मालाकार ने इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिन लोगों ने कोयला खनन के लिए अपने बाप दादाओं की जमीन को सीसीएल के हवाले किया उन्हें साजिश के तहत बदनाम और फंसाया जा रहा है। आम्रपाली ने दो सौ मिलियन टन कोयला उत्पादन कर देश को समर्पित किया उन पर आरोप लगाना कहीं से भी उचित नहीं। विकास के अनुसार आम्रपाली से प्रभावित पांच गांव का लगभग 250 रैयत ट्रक मालिक है जो अपनी सुविधा के लिए एकजुट है। उनका सवाल है कि गांव के ट्रक मालिक मालिको से कोई अवैध वसूली कैसे कर सकता है। आम्रपाली में आज भी बाहरी अपना साम्राज्य चाह रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ कोल ट्रांसपोर्टर स्थानीय लोगों को डरा धमका कर रखना चाहते है ताकी अपनी स्वार्थ सध सके। विकास ने कहा कि कुछ साल पहले बिगलात गांव का एक ट्रक मालिक इसलिए फांसी लगाकर आत्महत्या किया था कि समय पर लोन नहीं चुकता कर पाया। वह युवक भी ट्रांसपोर्टर का ही शिकार बना था। उन्होंने वाहन संघ के तारीफ करते हुए कहा कि विपरीत स्थितियों में विस्थापित परिवार एकजुट है। एक सवाल पर कहा कि 100 वोलियंटर दिन रात 500 ट्रको को लाइन लगा रहे हैं ऐसे में कोई सेवा शुल्क देता है तो उसे अवैध कहना गलत है।

जीटी रोड पर ट्रकों की अवैध पार्किंग से होती है दुर्घटना

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में जीटी रोड पर इन दिनों ट्रकों की अवैध पार्किंग हो रही है। अवैध पार्किंग से दुर्घटना होते रहती है। जीटी रोड पर औरंगाबाद के मदनपुर से लेकर बारुण तक ट्रक खड़े रहते हैं। लाइन होटलों एवं पेट्रोल पंपों के पास सड़क पर ट्रकों की पार्किंग होती है। ट्रक चालकों के द्वारा अवैध तरीके से वाहनों को खड़ा किया जाता हैं। सड़क पर अवैध पार्किंग का खामियाजा छोटे वाहन भुगत रहे हैं। रात के अंधेरे में छोटे वाहन चालकों को सड़क पर खड़ी ट्रक दिखाई नहीं देती है और दुर्घटना हो जाती है। जब हादसा होता है तो पुलिस घटनास्थल पर पहुंचती है और कोरम पूरा करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज देती है। जीटी रोड पर अवैध पार्किंग करने वाले ट्रकों को पुलिस न तो हटाती है और न ही कोई कार्रवाई करती है। ट्रक चालकों पर परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। 19 फरवरी 2025 की रात्रि बारुण थाना क्षेत्र के सिंदुरिया मोड़ के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने जीटी रोड पर खड़े ट्रक में जोरदार टक्कर मारा था। घटना में कार सवार एक 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई थी। माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके अलावा कई दुर्घटना हुई है जिसमें यात्रियों को जान गंवानी पड़ी है।

जीटी रोड किनारे अवैध पार्किंग किए ट्रकों के खिलाफ अभियान चलाकर हमेशा कार्रवाई होती है। इस क्रम में ट्रक चालकों से जुमार्ना वसूला जाता है। ट्रक चालकों को निर्देश दिया जाता है कि दोबारा जीटी रोड पर ट्रकों की पार्किंग न करें। अभियान चलाकर अवैध पार्किंग पर कार्रवाई की जाएगी।

सफलता की उड़ान भरने वाले छात्रों का सम्मान जरूरी_ शिल्पी नेहा तिर्की

मांडर प्रखंड के 300 मेधावी छात्रों को भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - शिक्षा के क्षेत्र सफलता की उड़ान भरने वाले मांडर प्रखंड के छात्रों को आज भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया . मांडर कॉलेज परिसर में 10 वीं और 12 वीं की परीक्षा उत्तीर्ण विभिन्न स्कूलों के करीब 300 मेधावी छात्रों को ये सम्मान मिला . कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की , पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की के हाथों छात्रों को सम्मानित किया गया . इस मौके मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि साल 2005 में पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर अंक लाकर उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए प्रतिभा सम्मान की शुरूआत की थी . आज साल दर साल सम्मान पाने वाले छात्रों की संख्या में इजाफा हो रहा है . उन्होंने कहा कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हो कड़ी मेहनत_ लगन और लक्ष्य को पाने की जिद से सफलता हासिल की जा सकती है . इसका ताजा उदाहरण दिहाड़ी मजदूर की बेटी से लेकर खोमचा वाले परिवार के बेटा - बेटी के नाम शामिल है . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि छात्रों को मिलने वाला ये सम्मान और प्रमाण पत्र छात्रों को हर दिन अपने लक्ष्य को पाने के लिए प्रेरित करेगा . छात्रों के लिए ज्ञान समंदर की तरह है . डिग्री पाना आसान हो सकता है पर व्यवहारिक ज्ञान के बगैर सब कुछ अधूरा रह जाएगा . आज के दौर में युवाओं को व्यवहारिक ज्ञान की जरूरत है . उन्होंने कहा कि छात्रों का आचरण ही उनकी सफलता की राह तय करेगा . लेकिन भविष्य की सफलता के लिए सही सोच और दिशा का चयन करना होगा . छात्रों को सफलता से ज्यादा उत्साहित होने की जरूरत नहीं है ये थोड़े समय के लिए ही होता है . दरअसल ये दर्दनाक होता है क्योंकि यहीं से आपकी जिम्मेवारी बढ़ जाती है . आपसे परिवार समाज और सहयोगियों की उम्मीदें बढ़ जाती है . इस लिए अभी ये सफलता का आगाज और अंत तब होगा , जब आप सफलता की शिखर पर होंगे . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मांडर

कॉलेज को विश्वविद्यालय के तौर पर तैयार करने की बात कही . उन्होंने कहा कि 13 करोड़ की लागत से भवन का निर्माण किया गया है . इसके साथ ही विश्वविद्यालय के लिए जरूरी मापदंड को पूरा करने का काम किया जा रहा है . आज युवा पीढ़ी को संविधान की जानकारी होना जरूरी है क्यूंकि ये देश किसी धर्म ग्रन्थ से नहीं बल्कि संविधान से चलता है . पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने इस मौके पर कहा कि ये सम्मान समारोह मांडर विधानसभा क्षेत्र के हर प्रखंड में किया जाता है . सम्मान पाने वाले आज कई छात्र अच्छे मुकाम पर पहुंच चुके है . जीवन की लंबी उड़ान के लिए खुद को तैयार करना पड़ता है . बेहतर से बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रयास जारी रखना होगा . शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण प्रतिभा को निखारने के लिए लंबी लकीर खींचने की जरूरत है . उन्होंने कहा कि मांडर कॉलेज को विश्वविद्यालय का रूप दिया जाएगा . उद्देश्य ग्रामीण छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान करना है . बंधु तिर्की ने कहा कि ग्रामीण छात्रों के लिए ग्रामीण प्रतिभा परीक्षा का आयोजन करने की योजना है . ये स्कूल स्तर पर आयोजित होगा . जिसमें दो तरह की परीक्षा प्रखंड स्तर पर आयोजित होगी . हर प्रखंड से 4 से 5 छात्रों का चयन किया जाएगा . ऐसे छात्रों की शिक्षा का खर्च वहन किया जाएगा . ग्रामीण प्रतिभा परीक्षा के सफल छात्रों को हवाई जहाज से एजुकेशन टूर भी कराया जाएगा . प्रतिभा सम्मान समारोह में मांडर कॉलेज प्राचार्य ए एन शाहदेव , बीडीओ चंचला कुमारी , फिलिप सहाय एक्का , अमानत अंसारी , मंगा उरांव , मोजिबुल्ला, सेराफिना मिंज , सरिता देवी , नसीम अंसारी , जुएब अंसारी , होसे उरांव , जुवेल तिग्गा , अर्जुन महतो , चिंतामणि , बेलस , बंधु टोप्पो सहित स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक मौजूद थे . मांडर प्रखंड के टॉपर .... मांडर कॉलेज परिसर में जैक बोर्ड के 10 वीं और 12 वीं की परीक्षा में टॉपर रहे छात्रों को भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया . मैट्रिक की परीक्षा में मांडर प्रखंड में प्रथम स्थान प्रभात कुमार केसरी , द्वितीय स्थान जया कुमारी , तृतीय स्थान मोहित उरांव को मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने सम्मानित किया . वहीं इंटर की परीक्षा में विज्ञान संकाय में मांडर प्रखंड में प्रथम_ सलोनी कुमारी , द्वितीय_ रेहान अंसारी और तृतीय रोहित उरांव को सम्मानित किया गया . जबकि वाणिज्य संकाय में मांडर प्रखंड में प्रथम_ ईशा किंडो , द्वितीय_ फरहा अंजुम और पृथ्वी कुमार साहू , तृतीय_ अभिजीत मुंडा को सम्मानित किया गया . वही कला संकाय में मांडर प्रखण में प्रथम_ चुनको टोप्पो , द्वितीय_ साजिद खातून , तृतीय_ साइना साहिन को सम्मानित किया गया . सम्मान समारोह में टॉपरों के साथ साथ बेहतर रिजल्ट लाने वाले करीब 300 छात्र_ छात्राओं को स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया .

उचित भाड़ा मिलने से क्यों बेचैन हैं कुछ लोग? आम्रपाली कोल परियोजना में फिर दिखी बाहरी तत्वों की साजिश

संवाददाता : दिव्य दिनकर
टंडवा, चतरा

आम्रपाली कोल परियोजना में इन दिनों एक बार फिर वाहन मालिकों और ट्रांसपोर्टरों के बीच भाड़ा विवाद गहराता जा रहा है। विस्थापित और स्थानीय वाहन मालिकों को जब से उचित भाड़ा मिलने लगा है, कुछ स्वार्थी तत्व और बाहरी ट्रांसपोर्टर इसे पचा नहीं पा रहे हैं। नतीजतन, एक बार फिर साजिशों का दौर शुरू हो गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जब आम्रपाली परियोजना की शरूआत हुई थी, तब स्थानीय वाहन मालिकों को काम मिलने की आशा जगी थी। कुछ दिन सबकुछ सुचारू चला, लेकिन एक मुकदमे के बाद बाहरी ट्रांसपोर्टरों ने क्षेत्र में दबदबा बना लिया। कम भाड़ा में कोयला ट्रांसपोर्टिंग के टेंडर हासिल कर इन ट्रांसपोर्टरों ने पहले स्थानीय मालिकों से झूठे वादे किए झ जैसे 1000 के टेंडर पर 1100 देने की बात झ लेकिन भुगतान के समय तरह-तरह की परेशानी दी जाने लगी। जब स्थानीय रैयतों और विस्थापितों ने इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई, तो उन्हें केस-मुकदमे और धमकियों का सामना करना पड़ा। कई ट्रक मालिकों को अपने वाहन बेचने तक की नौबत आ गई। लेकिन अब स्थिति बदल रही है।

फिर से लौट रही है एकजुटता:

बीते कुछ महीनों में विस्थापित गांवों के वाहन मालिक एकजुट हुए हैं। उन्होंने कम भाड़ा में काम करने वालों का कोयला उठाव रोक दिया और पारदर्शिता के साथ काम की मांग की। इसका असर यह हुआ कि स्थानीय मालिकों को अब समय पर और उचित भाड़ा मिलने लगा है। ट्रक मालिकों की गाड़ियाँ फिर से सड़कों पर दौड़ने लगी हैं। सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए मालिकों ने आपसी सहयोग से कुछ वालंटियर भी नियुक्त किए हैं जो लाइन प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाओं को संभालते हैं। लेकिन अब इसी सहयोग को कुछ लोग ₹अवैध वसूली₹ बताकर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

बाहरी दबाव और फर्जी एसोसिएशन :

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पहले जिन दलालों ने ₹प्रभावित₹ और ₹विस्थापित₹ के नाम पर एसोसिएशन बनाकर मोटी रकम डकारी, वे आज करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। रांची, हजारीबाग आदि जगहों में उनके बंगलों, लग्जरी गाड़ियों और अंगरक्षकों का दिखावा आम बात हो गई है।

निष्पक्ष जांच मांग:

विस्थापित ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है कि ऐसे तथाकथित ₹संघों₹ और ट्रांसपोर्टरों की आय से अधिक संपत्ति की जांच होनी चाहिए। कोयला ट्रांसपोर्टिंग में व्याप्त भ्रष्टाचार और बाहरी दबदबे को समाप्त कर स्थानीय रैयतों को लाभ दिलाने के लिए सरकार और कोल कंपनियों को ठोस पहल करनी होगी।

कांग्रेस का पेशा कानून ड्राफ्ट चर्च प्रायोजित: प्रदीप टोप्पो का आरोप

रातू, राँची:-

झारखंड में प्रस्तावित पी-पेसा कानून को लेकर राजनीतिक हलकों में हलचल तेज है। इस बीच भाजपा किसान मोर्चा के रांची महानगर प्रभारी प्रदीप टोप्पो ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित पी-पेसा कानून का ड्राफ्ट चर्च के प्रभाव में तैयार किया गया है, जो आदिवासी समाज की परंपरा, रीतिरिवाज और जनविधि को खत्म करने की साजिश है। प्रदीप टोप्पो ने कहा कि पेसा अधिनियम 1996 को झारखंड में हू-ब-हू लागू किया जाना चाहिए, लेकिन कांग्रेस पंचायती राज अधिनियम के बजाय संसदीय प्रक्रिया के तहत पी-पेसा कानून लागू कर रही है, जो जनजातीय समाज के अधिकारों के खिलाफ है। उन्होंने विशेष रूप से धारा 3(डी) और 4(डी) का जिक्र करते हुए कहा कि यह प्रावधान आदिवासियों की धार्मिक स्वतंत्रता, परंपरा, रीतिरिवाज और जनविधि को समाप्त करने की दिशा में खतरा पैदा करता है। टोप्पो ने चेतावनी दी कि अगर इस कानून को जनजातीय समाज की मूल भावना के विपरीत जबरन लागू किया गया तो आदिवासी समाज सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा। पांचवी से छठवीं अनुसूची में बदलाव की साजिश का आरोप उन्होंने कहा कि झारखंड के 13 जिले पूर्णतः और 2 जिले आंशिक रूप से पांचवी अनुसूची के तहत अधिसूचित हैं। कांग्रेस इस अनुसूची को खत्म कर छठवीं अनुसूची लागू करना चाहती है, जैसा कि असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में है। अगर छठवीं अनुसूची लागू होती है, तो जिला स्वशासी परिषद को कानून बनाने और विकास कार्यों के लिए फंड का पूर्ण अधिकार मिल जाएगा। इससे ग्राम सभा की भूमिका खत्म हो जाएगी और स्थानीय स्वशासन की धारणा ध्वस्त हो जाएगी। जनजातीय समाज को पंगु बनाने की साजिश प्रदीप टोप्पो ने आरोप लगाया कि कांग्रेस झारखंड के आदिवासी समाज को आर्थिक, सामाजिक और पारंपरिक रूप से कमजोर और पंगु बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि पी-पेसा के ड्राफ्टिंग में आदिवासी जनप्रतिनिधियों की राय नहीं ली गई और यह आदिवासी विरोधी मंशा का स्पष्ट संकेत है।

नशे को कहें ना, जिंदगी को कहें हाँ: प्रभात फेरी में स्वास्थ्य कर्मियों ने किया जागरूक

दिव्य दिनकर, संवाददाता
चतरा।

उपायुक्त कीर्तिश्री के निर्देश पर गुरुवार को सदर अस्पताल, चतरा से पोस्ट ऑफिस चौक तक प्रभात फेरी निकाली गई। इस आयोजन का उद्देश्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों को लेकर आमजन को जागरूक करना था। प्रभात फेरी को सिविल सर्जन डॉ. दिनेश कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी (सिमरिया) सन्नी राज एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. कुमार उत्तम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी सन्नी राज ने उपस्थित लोगों को चरस, अफीम, तंबाकू जैसे मादक पदार्थों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा– मादक पदार्थों को ना कहें, और जिंदगी को हां कहें। कार्यक्रम के दौरान सदर अस्पताल परिसर में नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मियों ने भाग लिया। सिविल सर्जन डॉ. दिनेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा, ₹मादक पदार्थों के सेवन ने कई परिवारों को बर्बाद कर दिया है। आने वाली पीढ़ी को इस विनाशकारी लत से बचाने के लिए आवश्यक है कि समाज इसके उत्पादन, बिक्री और सेवन पर रोक लगाए। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं, और उनका योगदान देश के निर्माण में अनमोल है। उन्होंने युवाओं से ₹नशामुक्त भारत अभियान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। इस अभियान को सफल बनाने में डॉ. मनीष लाल, स्वास्थ्य कर्मी संगीता एक्का, उदय शरण प्रसाद, रविन्द्र विश्वकर्मा, रश्मि दूबे, हेम्ब्रम, बजरंग उरांव, अरुणा कुमारी, सुदीप कुमार मुंडा, तथा सीनी संस्था से ओम प्रकाश शर्मा एवं मुन्तजिर, सहिया और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने उल्लेखनीय योगदान दिया।

गिद्धौर थाना क्षेत्र में कोटपा-2003 की धारा 6ए 6बी व धारा 4 का अनुपालन दुकानों में कराया गया

कोटपा कानून का उल्लंघन करने वाले 10 दुकानों,व्यक्तियों पर लगाया गया अर्थदंड

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। जिले के गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 (कोटपा .2003) की धारा 4 व 6ए, 6बी के तहत नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें गुरुवार को जिला छापामारी दल के द्वारा कुल 25 दुकानों की जांच की गई जिसमें 10 दुकानों/व्यक्तियों द्वारा कोटपा कानून का उल्लंघन करते हुये पाया गया। जिनसे अर्थदण्ड वसूली की गई। रश्मि दुबे जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम चतरा द्वारा बताया गया कि छापामारी के दौरान सभी दुकानों पर पाया गया कि लोग पोस्टर चिपका कर सिगरेट व अन्य तम्बाकू उत्पाद का विज्ञापन कर रहे हैं जो कि कोटपा-2003 की धारा 5 के तहत प्रतिबंध है। छापामारी के दौरान सभी दुकानों से विज्ञापन वाले पोस्टर हटाया गया साथ ही सभी दुकानों में कोटपा-2003 की धारा 6ए का अनुपालन कराया गया।सभी तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले को ह्लह्ल18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तम्बाकू पदार्थ बेचना या बेचवाना कानूनन अपराध हैह्लह्ल का पोस्टर दुकान के सामने लगाना आवश्यक है। जिला में प्रिन्ट मीडिया के सहयोग से लगातार दैनिक समाचार के माध्यम से सभी को अवगत कराया जा रहा है कि वह अपने दुकानो पर सिगरेट व तम्बाकू उत्पाद के प्रचार प्रसार का पोस्टर न लगायें और न ही स्कूल के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पाद की बिक्री करें। तंबाकू उत्पाद का प्रचार प्रसार एवं बिना वैधानिक चेतावनी के तंबाकू या तंबाकू से बने उत्पाद बेचना कानून अपराध है। उक्त मौके अंचल अधिकारी गिद्धौर, मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर अंजली, जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम सोशल वर्कर शशि भूषण शास्त्री उपस्थित थे।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए कुल 12 परिवादियों ने अपनी-अपनी समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कीं। उपस्थित नागरिकों ने महिला उत्पीड़न, प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभ नहीं मिलने, वासगीत पर्चा, स्थानांतरण, भूमि विवाद, सड़क और जल निकासी की व्यवस्था, भूमि मापी व अतिक्रमण जैसे गंभीर विषयों को उठाया। जनता दरबार की कार्यवाही के दौरान जिला पदाधिकारी ने प्रत्येक परिवादी की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि सभी शिकायतों का निष्पक्ष, त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक परिवाद की तह तक जाकर जांच करें और यथासंभव कम समय में निष्पादन सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को समय पर न्याय मिल सके। महिला उत्पीड़न की शिकायत खुदवों गांव की श्रीमती पुनम देवी द्वारा दर्ज कराई गई, जिसे गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी ने महिला हेल्पलाइन औरंगाबाद को तत्काल संज्ञान लेने का निर्देश दिया। शांतिपुर, जम्होर के निवासी राजबली चौधरी ने भूमि मापी, अतिक्रमण हटाने और वासगीत पर्चा प्रदान करने से संबंधित अपनी समस्या रखी, जिस पर अंचल अधिकारी औरंगाबाद को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सेवानिवृत्त शिक्षक बिंदेश्वरी सिंह ने किशोरी सिन्हा महिला महाविद्यालय, औरंगाबाद के निकट सड़क निर्माण और जल निकासी की व्यवस्था को लेकर समस्या बताई, जिस पर नगर परिषद और कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया गया कि वे स्थल निरीक्षण कर शीघ्र समाधान करें। शांतिपुर निवासी संतोष कुमार चौधरी और रामलाल चौधरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत लंबित भुगतान की समस्या उठाई, जिस पर जिला पदाधिकारी ने उप विकास आयुक्त औरंगाबाद को आवास सहायक से ससमय सत्यापन कर भुगतान कराने का आदेश दिया। अन्य परिवादियों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं रखी गईं, जिनमें रास्ता अवरुद्ध होने से आवागमन में असुविधा, सरकारी योजनाओं का लाभ न मिल पाना, स्थानांतरण संबंधित मुद्दे और भूमि संबंधी विवाद प्रमुख रहे। जिला पदाधिकारी ने सभी परिवादों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अंत में उन्होंने जनता दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन उनके हितों के प्रति प्रतिबद्ध है और उनकी समस्याओं का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जनता दरबार जिले के नागरिकों की समस्याओं के समाधान हेतु एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य कर रहा है, जिससे आमजन का प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

युवक हत्या के खिलाफ आक्रोशित परिजनों ने शव सड़क पर रखकर किया जाम

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- हसपुरा थाना क्षेत्र के हसपुराडीह निवासी मो हयात खां के 25 वर्षीय पुत्र मंसुर खां उर्फ अप्पु का शव चांदी गांव के श्मशान स्थल के समीप पईन के पास झाड़ी में फेंका हुआ पुलिस ने बरामद किया है। घटना गुरुवार की रात की है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौप दी है। हत्या के मामले में परिजन द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया है जिसमें चांदी गांव निवासी पुष्कर राज को नामजद आरोपी बनाया गया है। इससे पहले परिजनों सहित ग्रामीणों ने शव को पटेल चौक पर रखकर घंटों पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान आंदोलनकारी मुआवजा व हत्यारा को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। सड़क जाम की जानकारी मिलते थानाध्यक्ष दिनेश कुमार, इंस्पेक्टर सुनील कुमार दल बल के साथ पटेल चौक पहुंचे तो आंदोलनकारी आक्रोशित हो गए। मौके पर जिला परिषद प्रतिनिधि मो एकलाख खां, पंचायत समिति डा ब्रम्हदेव प्रसाद, पैक्स अध्यक्ष पिन्टू शर्मा, राजद नेता मनीष कुमार, निशांत कुमार, ग्रामीण अजय सिंह द्वारा समझाने पर तीन घंटा बाद आंदोलन समाप्त हुआ।

के.ए. पॉल ने इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू से ईरान पर हमले रोकने की अपील की

एयर इंडिया अक-171 हादसे के बाद की कई अहम इस्तीफों की मांग

हैदराबाद,

।अमेरिका स्थित ग्लोबल पीस इनिशिएटिव (जीपीआई) के संस्थापक और प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय शांति-दूत डॉ. के.ए. पॉल ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से ईरान पर सैन्य कार्रवाई तुरंत रोकने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह आक्रामकता जारी रही, तो इससे वैश्विक संकट पैदा हो सकता है। हैदराबाद स्थित प्रजा शांति पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. पॉल ने कहा, ह्लप्रधानमंत्री नेतन्याहू ईरान के परमाणु स्थलों पर बमबारी कर एक गंभीर भूल कर रहे हैं। यह केवल ईरान पर हमला नहीं है–बल्कि रूस, चीन और उत्तर कोरिया जैसे देशों को उकसाने वाला कदम है। यह तीसरे विश्व युद्ध का निमंत्रण है। डॉ. पॉल, जो पहले इजराइल और ईरान दोनों के राज्य अतिथि रह चुके हैं, ने नेतन्याहू से मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देने की अपील की और गजा में बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ह्लगजा में 10 लाख लोगों को भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया गया है। यह अस्वीकार्य है। ईश्वर, इतिहास और मानवता इस अन्याय को कभी माफ नहीं करेंगे। हाल ही में अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया फ्लाइट अक-171 हादसे के संदर्भ में डॉ. पॉल ने भारत के विमानन क्षेत्र में सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कई अहम मांगें रखीं। डॉ. पॉल ने देश के नागरिकों से अपील की कि वे सतर्क रहें और केंद्र सरकार, विमानन प्राधिकरणों और निजी एयरपोर्ट ऑपरेटर्स की ज़िम्मेदारी तय करने की मांग करें, ताकि ऐसी त्रासदियों से भविष्य में बचा जा सके।

विद्यापीठ कोचिंग का डंका 10वीं और 12वीं बोर्ड में 400 से अधिक मार्क्स लाने वाले छात्र हुए सम्मानित

देवघर।

विद्यापीठ कोचिंग संस्थान,बैद्यनाथपुर के विद्यार्थियों ने इस वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। संस्थान के कई विद्यार्थियों ने 10वीं और 12वीं कक्षा में 400 से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, जिनमें से कुछ ने अपने-अपने स्कूलों में टॉप भी किया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में कोचिंग संस्थान की ओर से एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थी इस प्रकार हैं,खुशी कुमारी (10वीं) संध्या कुमारी (10वीं) तुषार कुमार (10वीं) अमीषा कुमारी (12वीं) लब्की गुप्ता (12वीं) सहित अन्य को सम्मानित किया है। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक बमबम चौधरी, नीरज यादव, राकेश चौधरी, संदीप झा आदि ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि,इस वर्ष के परिणाम अत्यंत संतोषजनक रहे। इसमें विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों का मार्गदर्शन और अभिभावकों का सहयोग अहम रहा। संस्थान ने आगामी सत्र के लिए भी छात्रों को उत्कृष्ट तैयारी का आश्वासन दिया है, ताकि आने वाले वर्षों में भी इसी तरह की सफलता दोहराई जा सके।

जहरीले सांप ने युवक को काटा , रेफर

टेटियाबंबर : टेटिया पटेल चौक निवासी एक युवक को गुरुवार की देर शाम सर्प ने काट लिया जिससे वह अचेत हो गया। परिजनों के द्वारा आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टेटिया में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल भागलपुर रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार टेटिया पटेल चौक निवासी अमरजीत कुमार देर शाम खेत के तरफ से लौट रहे थे तभी जहरीले सांप ने उन्हें काट लिया जिससे वह अचेत हो गए।

शराब के नशे मैं हो हल्ला मचाते एक शराबी गिरफ्तार

टेटियाबंबर : टेटिया थाना पुलिस ने टेटिया बंबर गांव से एक शराबी को गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए टेटिया थाना पुलिस ने बताया कि टेटिया गांव निवासी राजीव कुमार यादव घर के समीप ही शराब के नशे में उत्पात मचा रहा था तभी पुलिस सूचना पाकर वहां पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच के क्रम में उसके शराब पीने की पुष्टि हुई , तत्पश्चात उसे न्यायालय में पेश किया गया।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने,रेलवे कॉलोनी का निरीक्षण कर सुविधाओं का लिया जायजा

हाजीपुरः

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा आज रामाशीष चौक, हाजीपुर स्थित रेलवे कॉलोनी का गहन निरीक्षण किया गया। इस क्रम में महाप्रबंधक ने रेलवे कॉलोनी में साफ-सफाई, रेलकर्मियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं आदि का जायजा लिया तथा कॉलोनी के साफ-सफाई से संतुष्ट दिखे । उन्होंने कॉलोनी में लगे हरियाली पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की । इस-के साथ ही महाप्रबंधक महोदय द्वारा रेलवे कॉलोनी परिसर में स्थित पॉली क्लीनिक का भी निरीक्षण किया गया । इस अवसर पर सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री विवेक भूषण

सूद सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे । निरीक्षण के क्रम में रेलवे

कॉलोनी के कर्मचारीगण महाप्रबंधक महोदय से भेंट कर उन्हें कॉलोनी से संबंधित मांगों का एक ज्ञापन भी सौंपा जिस पर महाप्रबंधक

महोदय ने गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया । उन्होंने पानी में आयरन की ज्यादा मात्रा के मद्देनजर वाटर प्यूरीफायर प्लांट

लगाने तथा कॉलोनी के ड्रेनेज सिस्टम को और बेहतर बनाने का अधिकारियों को निर्देश दिया ।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में पंचायती राज विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत सरकार भवनों के निर्माण कार्य, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना की प्रगति, 15वीं एवं 6वीं वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त आय एवं व्यय प्रतिवेदन, अनुरक्षकों के मानदेय भुगतान तथा पंचायतों द्वारा प्रदत्त बिजली बिल की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा की गई। पंचायत सरकार भवनों के निर्माण कार्य की समीक्षा के क्रम में जिला पंचायती राज पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि भवन निर्माण प्रमंडल, औरंगाबाद के द्वारा प्रथम चरण के अंतर्गत कुल 62 पंचायत सरकार भवनों के निर्माण हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके विरुद्ध सभी 62 भवनों का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। द्वितीय चरण में कुल 14 पंचायत सरकार भवनों के निर्माण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिनमें से 13 भवनों का निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है, जबकि शेष एक भवन, जो कि सोनहुली पंचायत से संबंधित है, उसका कार्य न्यायालयीन वादविवाद के कारण स्थगित है। इसके अतिरिक्त स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, औरंगाबाद के माध्यम से जिन पंचायत सरकार भवनों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, उनमें कुल 39 लक्ष्यों में से 38 भवनों का कार्य प्रारंभ हो चुका है। केवल तरार पंचायत सरकार भवन का कार्य संवेदक द्वारा अभी तक प्रारंभ नहीं किया गया है, जिस पर संबंधित अधिकारी को त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि योजना के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरणों को सम्मिलित करते हुए कुल 21,866 सोलर स्ट्रीट लाइट्स की स्थापना हेतु कार्यादेश निर्गत किए गए हैं, जिनमें से अब तक 13,703 सोलर लाइट्स का अधिष्ठापन कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष लाइट्स के अधिष्ठापन कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु जिलाधिकारी द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। अनुरक्षकों के मानदेय भुगतान तथा बिजली बिल के संदर्भ में समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्तमान में कुल 2,104 अनुरक्षकों की संख्या के विरुद्ध 1,729 अनुरक्षकों को मानदेय का भुगतान किया जा चुका है। शेष बकाया भुगतान की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु निर्देश दिया गया। साथ ही पंचायतों द्वारा विद्युत देयकों के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की गई। 15वीं एवं 6वीं वित्त आयोग के अंतर्गत जिला परिषद, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायतों द्वारा प्रस्तुत आय-व्यय प्रतिवेदनों की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने प्रखंडवार अद्यतन प्रगति पर चर्चा की तथा सभी संबंधित अधिकारियों को प्रतिवेदनों की नियमित अद्यतनता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती अनन्या सिंह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री इफ्तेखार अहमद, सभी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सात वर्षों से फरार चल रहे नक्सली को औरंगाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। जिले में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला को अपराध एवं नक्सल मुक्त क्षेत्र बनाने के उद्देश्य से लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाएं जा रहे है। इसी क्रम में सूचना प्राप्त हुई कि औरंगाचाद जिले का कुख्यात नक्सली तथा कई कांडों का वांछित अपराधकर्मी अखिलेश भुईया जो वर्तमान में 6 वर्षों से फरार चल रहा है गया जिले के सलैया (सुहेल) थाना क्षेत्र अंतर्गत घुमते हुए देखा गया है,उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु औरंगाबाद पुलिस के द्वारा ग्राम-निमिया रेहड़ा में घेराबंदी करते हुए छापामारी कर नक्सली अखिलेश भुईया को विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार नक्सली ने अपना अपराध स्वीकार किया एवं उक्त गिरफ्तार नक्सली को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। एसडीपीओ चंदन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली के खिलाफ द्विबरा याना कांड संख्या-14/18, दिनांक-16.08.2018 धारा- 147/148/149/341/307/435/437/124 (ए)/429/379/506/ भादवि एवं 17 सीएलए एक्ट एवं 10 पुएपीए एक्ट दर्ज हैं। वहीं अन्य अपराधिक इतिहास के लिए विभिन्न थानों से संपर्क किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उक्त नक्सली के द्वारा वर्ष 2019 में अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर ग्राम चरैया से मुरगाड़ा जाने वाली निमार्णाधीन सड़क में कार्यरत जेसीबी मशीन को आग लगाकर जला दिया गया था। औरंगाबाद पुलिस के द्वारा नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाये रखने हेतु लगातार छापामारी अभियान जारी है।

विश्व रक्तदाता दिवस से पहले विधिक कार्य विभाग ने लगाया रक्तदान शिविर

नई दिल्ली, ।

अपने विधिक दायित्वों से आगे बढ़कर, विधिक कार्य विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय ने आज भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से शास्त्री भवन, नई दिल्ली में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। 14 जून को मनाए जाने वाले विश्व रक्तदाता दिवस से पहले इस आयोजन का मकसद लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर विधि सचिव डॉ. अंजू राठी राणा ने शिविर में हिस्सा लिया और सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को रक्तदान को सामाजिक ज़िम्मेदारी की तरह देखने की बात कही। विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी, महिला कर्मचारी और अन्य स्टाफ सदस्य भी इसमें शामिल हुए और रक्तदान किया। यह शिविर इस वर्ष की वैश्विक थीम ₹रक्त दें, आशा दें: साथ मिलकर जीवन बचाएं₹ को प्रतिबिंबित करता है और यह याद दिलाता है कि नियमित और स्वैच्छिक रक्तदान देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। औपचारिकता से आगे बढ़ते हुए, विभाग की इस पहल ने राष्ट्रीय रक्त भंडार को वास्तविक योगदान दिया और यह भी दशार्या कि सरकारी संस्थान नीति और फाइलों से इतर भी जनकल्याण में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। इस पहल के जरिए विभाग ने दिखाया कि सरकारी दफ्तर केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर समाज के लिए आगे आ सकते हैं।

नाथनगर लोकप्रिय प्रत्याशी की तलाश में क्षेत्र की जनता, तरन्नुम फिरदौस

दिव्य दिनकर

भागलपुर (बिहार) जगदीशपुर पुरैनी दक्षिणी कि पूर्व सरपंच तरन्नुम फि र-दौस आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कहां है कि कुछ दिनों के बाद क्षेत्र में प्रत्याशियों की होड़ लग जाएगी। आपको चुन्ना है जो आपके छोटे-मोटे सुख दुख में आपकी हर समस्या के लिए बिना किसी रूकावट भेदभाव के आपके लिए हमेशा तैयार रहे। आगे उन्होंने कहा है कि गांव ग्राम की जनता अपनी छोटी-छोटी समस्या के समाधान के लिए दर- दर की ठोकरें खा रहे हैं। गांव ग्राम की महिलाएं गांव के अंदर अपनी समस्याओं को लेकर काफी परेशान है। समाधान नहीं होने के कारण आपसी दुश्मनी इस कदर बढ़ते जा रहा है कि लोग खून का प्यासा हो रहा है और इसके बेबसी पर कोई मरहम लगाने वाला नहीं है। अपने क्षेत्र और गांव की आम जनता से अपील की है कि स्वच्छ कर्मठ और ईमानदार जांबाज प्रत्याशी को वोट दें। दूर से आने वाले नेता को उन्हें दूर ही रखें।

बादल तो बरसेंगे ही एवं मुक्तक सुमन का लोकार्पण समारोह

दोनों ही पुस्तकें गीतिकाव्य की बेजोड़ कृति

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- हिंदी साहित्य भारती जिला ईकाई पलामू के तत्वावधान में होटल निवार्णा रेड के सभागार में प्रसिद्ध कवि एवं लेखक सत्येंद्र चौबे सुमन रचित बादल है तो बरसेंगे ही एवं मुक्तक सुमन का लोकार्पण समारोह की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ की गई। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष इंदरसिंह नामधारी,विशिष्ट अतिथि के रूप में शंभू नाथ पांडेय,डा सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, दिलीप कुमार चौबे गढ़वा के शिक्षाविद,श्रीधर प्रसाद द्विवेदी,हिंदी साहित्य भारती के मार्गदर्शक, महोत्सव पुरुष सिद्धेश्वर विद्यार्थी, पर्यावरणविद डॉ रामाधार सिंह, काष्ठ कला विद प्रेम प्रकाश भसीन, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद के महामंत्री धनंजय जयपुरी, उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी द्वारा पुस्तक का लोकार्पण किया गया।जी एल ए कॉलेज मेदिनीनगर के पूर्व प्राध्यापक प्रो सुभाष चन्द्र मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन हिंदी साहित्य भारती के प्रांतीय सचिव राकेश कुमार द्वारा किया गया।राम प्रवेश पंडित ने सरस्वती वंदना का गान किया।अनुज कुमार पाठक एवं धनंजय जयपुरी ने छंदमय स्वागत उद्बोधन दिया गया।परशुराम तिवारी द्वारा विषय प्रवेश करते हुए कहा गया कि दोनों ही पुस्तकों में 100 से ज्यादा मुक्तक है जिसमें कवि द्वारा ईश्वर से साक्षात्कार करने का प्रयास किया गया है।सुनो पतंगा नहीं डरता है शीर्षक कविता की चर्चा की। पलामू के काष्ठ कला विद प्रेम प्रकाश भसीन ने कहा कि ये दोनों ही पुस्तकें भविष्य में साहित्य के नजीर साबित होगी। डॉ रामाधार सिंह ने कहा कि ये दोनों ही पुस्तकें पर्यावरण से जुड़े हुए हैं।सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने कहा कि मानव को कुछ ऐसा काम करना चाहिए कि लोग हमेंशा याद कर सकें। पूर्व आपूर्ति पदाधिकारी ।शिनाथ चौबे गढ़वा ने कहा कि इस पुस्तक की भिन्न भिन्न व्याख्या से पता चलता है कि इस पुस्तक की कितनी महता है।मुख्य अतिथि माननीय इंदर सिंह नामधारी ने कहा कि बादल तो बरसेंगे ही पुस्तक पर तुलसी दास के चौपाई का बादल नजदीक आकर बरसने का उदाहरण दिया।विदित हो कि झारखंड राज्य के निर्माण में नामधारी जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।अपनी बचपन की आपबीती सुनाई।कुंआ में गिरने पर उनको जान बचाने वाले की चर्चा की।शिक्षाविद शंभूनाथ पांडेय ने कहा कि हमारी शैक्षणिक पृष्ठभूमि की शुरूआत पलामू से ही हुई है। पलामू की धरती की साहित्यिक उर्वरा शक्ति बेजोड़ रही है।समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा ने कहा कि बादल तब बरसते हैं जब वे गरजते नहीं गरजने वाले बादल बरसते ही नहीं है प्रेम की मिलन एवं विरह आत्मा के सौंदर्य का स्वरूप है।मानव होना भाग्य है कवि होना सौभाग्य है। लेखक ने पत्रिका के माध्यम से लोगों को जागृत किया है जब लेखनी जागती है तो उसके सामने सैकड़ो बंदूक फेल हो जाते हैं। सुधीर चौबे ने कहा कि कवि ने बरसने वाले बादल की चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन रमेश कुमार सिंह द्वारा किया गया।

दलित बहुल गांव बोचाही में पोखर खुदाई एवं सौंदर्यकरण के नाम पर करोड़ का लूट, जांच की मांग

जेसीबी मशीन से पोखर की की गई खुदाई, पुलिया निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग

रंजीत कुमार विद्यार्थी

मुंगेरः मुंगेर जिला में विकास योजनाओं में भ्रष्टाचार और लूट का नजर देखना हो तो आपका जमालपुर प्रखंड अंतर्गत दलित बहुल गांव आदर्श ग्राम बोचाही में स्वागत है। यहां पोखर सौंदर्य करण एवं पुलिया निर्माण के नाम पर सरकारी राशि का बंदर बाट और लूट जारी है। जिसे लेकर स्थानीय ग्रामीणों में जिला प्रशासन के आला अधिकारी एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के प्रति भारी आक्रोश देखा जा रहा है, जो किसी भी वक्त आंदोलन का रूप अख्तियार कर सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि शेखपुरा जिला के संवेदक द्वारा पोखर सौंदर्य कारण एवं पुलिया निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। पोखर खुदाई का खुदाई मजदूरों के बदले जेसीबी मशीन से किया गया। पुलिया निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा हैं। पोखर खुदाई के बाद पोखर बहुत अधिक छोटा हो गया है, क्योंकि संवेदक के द्वारा मिट्टी को पोखर के चारों ओर लगभग चार से पांच फीट सिर्फ साट दी गई है। पोखर के चारों ओर जो मिट्टी भरी गई है, वह हल्की बारिश में ही ढह कर पोखर में गिरने लगा हैं। अभी बरसात बाकी है। लोग ऐसा अनुमान लगा रहे हैं की बरसात के मौसम में सारा मिट्टी फिर से पोखर में समाहित हो जाएगा और पोखर भर जाएगी। ग्रामीणों की माने तो पोखर सौंदर्य करण का कार्य 2 महीने से चल रहा है लेकिन अभी तक संवेदन के

द्वारा किसी प्रकार का योजना स्थल पर सूचनापट्ट तक नहीं लगाया गया है। जिस कारण लोगों को यह पता नहीं चल पा रहा है कि यह योजना किस मद से हो रही हैं। जमालपुर के विधायक अजय कुमार सिंह के कुछ समर्थक इसे विधायक फंड से कार्य होने की बात कहते हैं, तो कोई से मनरेगा योजना से। हकीकत क्या है, यह किसी को जानकारी नहीं है। कार्यस्थल पर संवेदक के द्वारा साइन बोर्ड सिर्फ बना दिया गया है, उसमें योजना के बारे में किसी प्रकार का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। जिस कारण से लोगों को जानकारी नहीं मिल पा रही है कि यह कार्य मनरेगा योजना से हो रहा है या विधायक फंड से ? गांव के कुछ ग्रामीणों का कहना है कि संवेदक ने बिना पोखर का माफी कराए ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया, जो की सरासर गलत है। सरकारी गाइडलाइन के मुताबिक किसी भी योजना के शुरू होने से पहले संवेदक के द्वारा कार्य स्थल पर साइन बोर्ड लगाया जाना है। जिसमें योजना से संबंधित पूरी जानकारी, जैसे योजना नाम, योजना मद का नाम, एस्टीमेट की राशि, कार्य प्रारंभ करने की तिथि तथा कार्य पूर्ण करने की तिथि, संवेदक का नाम , योजना संख्या सहित अन्य जानकारी अंकित रहना चाहिए चाहिए। लेकिन यहां ऐसा कुछ भी नहीं है। ग्रामीण अनुमान लगा रहे हैं कि इतनी बड़ी योजना की लागत कम से कम करोड़ों में जरूर होगी। यूं कहे कि पोखर सौंदर्य कारण एवं पुलिया निर्माण के नाम पर दलित बहुल बोचाही गांव में करोड़ों रुपए का सरकारी राशि का बंदर बाट और लूट हो रहा है।

बोले डीएम

इधर इस संबंध में पूछे जाने पर डीएम अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है, जांच होगी और संबंधित अधिकारियों एवं संवेदक पर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जयनगर विकास समिति के सदस्यों के द्वारा आरओबी पहुंच पथ सहित निर्माण के सुधार के सम्बंध में एसडीओ को दिया आवदेन

दिव्य दिनकर

बिहार डिग्निशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

पटना मधुबनी जिला के जयनगर के जयनगर विकास समिति के सदस्यों के द्वारा आरओबी पहुंच पथ सहित निर्माण के सुधार को लेकर जयनगर के एसडीओ को आवदेन दिया है।आवदेन के माध्यम से जयनगर विकास समिति के संयोजक शम्भू गुप्ता,कैलाश पासवान,शिवशंकर ठ-ाकुर,गिरधारी सराफ ने संयुक्त रूप से बताया कि प्राप्त सूचनानुसार उक्त आरओबी पहुंच पथ के निर्माण के सम्बंध में जयनगर बाजार के अम्बे होटल तक विस्तार करने की योजना का प्रारूप तैयार किया गया है इस सबंध में जयनगर के प्रबुद्ध नागरिकों एवं बाजार के सभी उपभोगकताओं की एक आवश्यक बैठक बुलाई गई थी. जिसमें सभी उपस्थित लोंगो सदस्यों ने इस निर्माण के अम्बे होटल तक विस्तार का विरोध जताया है एवं केवल आरओबी का निर्माण कर इस योजना को सम्पन्न कराने की आवश्यकता ब्यक्त की गई है। बाजार के मुख्य पथ मेन रोड में निर्रथक एवं उदेश्यहीन निर्माण किये जाने से बाजार प्रभावित भी होगा एवं कई परेशानियों का सबब भी उत्पन्न करेगा। इस योजना से बाजार में महाबीर चौक से आगे यातायात महा जाम कि स्थिती के साथ ही सैकड़ो ब्यपारीयों के सामने विस्थापित व बेरोजगार होने कि स्थिती बनेंगी। अतः जयनगर बिकास समिति का अनुरोध है कि उक्त फ्छइ का निर्माण प्रारम्भ कर शहीद चौक तक पूरा कर योजना समाप्त की जाय। शहीद चौक तक फ्छइ के निर्माण से जयनगर के वासी एवं नागरिक लाभान्वित होगें।

मुंगेर के गंगटा में युवक का शव बरामद , जहर खाने का अंदेशा

गंगटा थाना पुलिस जांच में जुटी

शिव शंकर

गंगटा (मुंगेर) : गंगटा थाना क्षेत्र अंतर्गत शर्मा गांव निवासी 23 वर्षीय सुमन कुमार ,पिता दिवाकर मंडल का शव गुरुवार को शर्मा पह-ाड़ स्थित जंगल से बरामद हुआ। शव से कुछ दूरी पर सल्फास गोली का डब्बा भी पाया गया। जानकारी हो कि मृतक सुमन कुमार 08 जून को सुबह घर से शौच के लिए निकला था और वापस नहीं लौटा था । तब परिजन द्वारा इधर-उधर सगा संबंधी तक काफी खोज भी की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला, थक हारकर 10 जून को युवक के पिता दिवाकर मंडल द्वारा गंगटा थाना में युवक के गुमशुदगी को लेकर आवेदन दिया गया । इसके उपरांत पुलिस द्वारा युवक की खोजबीन की जा रही थी, तभी युवक का शव गांव से ही कुछ दूरी पर पहाड़ स्थित जंगल में पाया गया। शव मिलने की सूचना पाकर गंगटा थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन प्रारंभ की। इस बीच फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। जिन्होंने घटनास्थल पर अलग-अलग तरह के सैंपल लिए। आगे पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मुंगेर भेज दिया । जानकारी हो कि मृत युवक दो भाइयों में बड़ा था। अभी उस-ाकी शादी नहीं हुई थी। युवक बाहर में काम करता था, लेकिन बीते 05 माह से घर पर ही रह रहा था। इधर घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना किस कारण हुई ,अब तो फॉरेंसिक जांच एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल पाएगा । इधर घटना के बाबत गंगटा थाना अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहां कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर भेज दिया गया है। परिजन की ओर से अभी तक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन उपरांत आगे की कार्रवाई की जाएगी ।

नगर पंचायत ने नगर क्षेत्र में 11 स्थानों पर हाई मास्क लाइट लगाये जाने के कार्य को दिया गति

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

नगर पंचायत तारापुर द्वारा नगर क्षेत्र के विकास को लेकर बीते वर्ष 17 अक्टूबर 2023 को सामान्य बोर्ड की बैठक में पारित प्रस्ताव संख्या-30 के अंतर्गत शहर के प्रमुख भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में हाई मास्क लाइट लगाने के निर्णय को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। नगर पंचायत द्वारा तय स्थानों पर हाई मास्क लाइट का अधिष्ठापन कार्य अब तेजी से प्रगति पर है।तारापुर नगर पंचायत के नगर प्रबंधक रोहित कुमार ने जानकारी दी कि प्रथम चरण में सात प्रमुख स्थानों पर हाई मास्क लाइट लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसमें उल्टा नाथ महादेव मंदिर चौक, प्र-खंड परिसर गांधी प्रतिमा के पास, मनोकामना स्थान पुरानी बाजार, धौनी दुर्गा स्थान,धौनी पुल के पहले प्रवीण साह के मील के पास

, गाजीपुर ईदगाह मैदान, तथा अस्पताल रोड शामिल हैं।इसी के साथ-साथ मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के अंतर्गत नगर के चार और महत्वपूर्ण स्थान गोगाचक, तिलडीहा पुल समीप, पुरानी बस स्टैंड, तथा कॉलेज मैदान में भी हाई मास्क लाइट लगाने का काम जारी है।नगर प्रबंधक ने आगे कहा कि नगर क्षेत्र के जिन हिस्सों में लोगों की भीड़ अधिक रहती है और जहां रोशनी की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी, वहां हाई मास्क लाइट लगाने का कार्य एक बड़ी उपलब्धि है। इससे न केवल नगर की सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि नागरिकों को सुरक्षित और उज्ज्वल वातावरण मिलेगा। आने वाले समय में नगर पंचायत इस दिशा में और भी कार्य करेगी, जिससे तारापुर को आदर्श शहरी क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सके।स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए नगर पंचायत के कार्यों की प्रशंसा की है। अब देखना होगा कि कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता को कायम रखते हुए कार्य कब तक पूर्ण होता है।

26 साल के पति को छोड़ 21 के प्रेमी के साथ गई पत्नी, सास के साथ थाने पहुंचा 'मरद

सारा खेल इंस्टाग्राम का, दोनों की दोस्ती इंस्टाग्राम पर हुई थी

रंजीत कुमार विद्यार्थी

खगड़िया (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत खगड़िया जिले में अमोल यादव की पत्नी अपने प्रेमी के साथ भाग गई, साथ में घर के गहने और पैसे भी ले गई। अमोल ने उसे प्रेमी के घर में पाया, लेकिन पत्नी ने लौटने से इनकार कर दिया। अब अमोल पुलिस से मदद की गुहार लगा रहा है और अपनी पत्नी को वापस अपनाने को तैयार है। इस तरह का सनसनीखेज मामला खगड़िया जिला से सामने आया है। जानकारी के मुताबिक कन्हैयाचक गांव के रहने वाले अमोल यादव की पत्नी, उसके बच्चों और घर के सारे गहने और पैसे लेकर भाग गई। अमोल ने अपनी पत्नी को बहुत ढूंढा। जब वह मिली, तो वह अपने प्रेमी के घर में थी। अमोल ने उससे वापस आने के लिए कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। अब अमोल पुलिस प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहा है।

क्या है पूरा मामला

अमोल यादव कन्हैयाचक गांव का रहने वाला है। वह 26 साल का है और दो बच्चों का पिता है। वह मजदूरी करके अपना घर चलाता है। जब वह

काम के लिए बाहर गया था, तब उसकी पत्नी घर से पैसे और गहने लेकर भाग गई। अमोल को जब यह पता चला, तो वह अपनी पत्नी को खोजने लगा। दो-तीन दिन तक खोजने के बाद भी जब पत्नी नहीं मिली, तो उसे सोशल मीडिया से पता चला कि उस-ाकी पत्नी का एक प्रेमी है। उसकी पत्नी की दोस्ती इंस्टाग्राम पर हुई थी।

21 साल के प्रेमी के साथ फरार

प्रेमी का नाम गिरधारी यादव है। वह 21 साल का है और भागलपुर जिले के भदोरिया का रहने वाला है। जब अमोल यादव उसके घर पहुंचा, तो गिरधारी यादव और उसकी पत्नी कोमल देवी दोनों ने मिलकर उसे पीटना शुरू कर दिया। किसी तरह अमोल यादव अपने एक बच्चे को लेकर वहां से भाग गया।

पत्नी को वापस रखने को तैयार है अमोल

अब अमोल यादव ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उसने कहा है कि उसकी पत्नी और उस-ाके द्वारा ले जाए गए गहने और पैसे उसे वापस दिलाए जाएं। अमोल यादव अपनी पत्नी को वापस रखने के लिए भी तैयार है। वह कह रहा है कि जो हो गया मैं उसे भूलने के लिए तैयार हूं. लेकिन वह अगर सीधे-सीधे आ जाती है तो मैं उसे अच्छी तरह ही रखूंगा।

सास के साथ थाने पहुंचा अमोल

अमोल यादव और उसकी सास दोनों मिलकर पत्नी को बुलाने के लिए थाने में आए थे। अमोल यादव की सास ने बताया कि उसकी बेटी की दोस्ती इंस्टाग्राम के जरिए गिरधारी यादव से हुई है, जो बिल्कुल गलत है। वह अपने दामाद के साथ है। फिलहाल अमोल की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आप कर्तव्यनिष्ठ हो कर अपने कार्य का निष्पादन करें : डीएम

काउंसलिंग उपरांत अमीनों के बीच नियुक्ति पत्र वितरित

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, के द्वारा भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय में संविदा के आधार पर पूर्व में कार्यरत अमीनों (अमानत/सर्वेयर) को विभाग अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालयों में अमीन के पद पर नियमित नियुक्ति हेतु सृजिए पदों के विरूद्ध कार्यहित में संविद के आधार पर नियोजन हेतु अनुशंसित अभ्यर्थियों को काउन्सेलिंग में सम्मिलित होने के पश्चात चयनित कुल चार अभ्यर्थीयों को शुक्रवार को जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बांका जिला निवासी मनीष कुमार, धीरज कुमार सिंह, भागलपुर जिला निवासी अनुज कुमार एवं जमुई जिला निवासी सू-रज पासवान को नियुक्ति पत्र वितरण किया। उन्होंने चारो अभ्यथीयों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि आप सभी कर्तव्यनिष्ठ हो कर अपने कार्य करें। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करें। क्षेत्र भ्रमण करें और शिकायत का मौका न दें। मेहनत से कार्य करें स्वतः आप रिवार्ड के हकदार होंगे।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश को राजद नेता ने बताया दुखद घटना

हवाई जहाज हो या ट्रेन सरकार को यात्री के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए : राजेश रमण

जमालपुर।

राष्ट्रीय जनता दल की ओर से अहमदाबाद प्लेन क्रैश की घटना को दुखद कर देते हुए राजद नेताओं ने मृतकों के प्रति शोक संवेदना प्रकट की है। राष्ट्रीय जनता दल बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रमंडल प्रभारी राजेश रमण उर्फ राजू यादव ने बयान जारी करते हुए कहा कि एअर इंडिया की फ्लाइट नंबर ए-171 ने लंदन के लिए उड़ान भरी तो सही, लेकिन वो प्लेन उड़ते ही धड़ाम से नीचे आ गिरा। और देखते ही देखते ये प्लेन आग का गोला बन गया। जिसमें कुल 242 लोग सवार थे। इसमें 2 पायलट और 10 क्रू मेंबर शामिल थे। फ्लाइट में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी सवार थे, जिनका निधन इस प्लेन क्रैश में हो गया। हालांकि, एक यात्री इस दुर्घटना में जिंदा बच गया, जो किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है। अब हम लोगों को इस घटना से सीख लेनी चाहिए। भारत सरकार को यात्रियों की सुरक्षा के लिए ठोस उपाय निकालने की आवश्यकता है। भारत सरकार के रेलवे मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से यात्री सुरक्षा को लेकर एक विशेष कमेटी का गठन कर तकनीकी रूप से कैसे मजबूती लाया जाए इसको लेकर एनालिसिस कर उसे लागू किया जाना चाहिए। ट्रेनों में सफर करने वाले यात्री हो या हवाई जहाज में सफर करने वाले यात्री हो, हर यात्री की जान कीमती होती है। ऐसे में पैसेंजर और प्लेन की सौ प्रतिशत सुरक्षा के लिए कुछ उपाय रखना जरूरी है। राष्ट्रीय जनता दल सभी मृतक के परिवार और परिजनों के साथ संवेदना रखता है और ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उनको इस दुख की घड़ी में ईश्वर शक्ति प्रदान करें। यह एक आश्चर्यचकित घटना घट गई है। इस दुर्घटना के पीछे जो भी कारण रहा हो, सरकार को इसकी जांच पूरी निष्पक्षता के साथ करानी चाहिए। ऐसी घटना भविष्य में ना हो, इसके लिए भी सरकार प्रयास करें।

लखीसराय में नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम, दस किलो का लईडी बम बरामद

बम निरोधक दस्ते ने किया डिफ्यूज, पुलिस ने ली राहत की सांस

रंजीत कुमार विद्यार्थी

लखीसराय (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत नक्सल प्रभावित लखीसराय जिला के पीरी बाजार थाना क्षेत्र के बांकुड़ा जंगल में सुरक्षा बलों को सफलता मिली है। विशेष कार्य बल की टीम ने सर्च ऑपरेशन के दौरान 10 किलो वजनी हार्ड स्किन पाइप आईईडी बम को बरामद किया। एसपी अजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम ने पीरीबाजार क्षेत्र के जंगलों में तलाशी अभियान चलाया। टीम को संदिहास्पद स्थान की खुदाई में यह विस्फोटक सामग्री मिली। नक्सलियों ने इस इलाके को 'सेफ जोन' बनाकर कैंप स्थापित किया था। बम को विशेष रणनीति के तहत जमीन में गहराई से छिपाया गया था। इससे सामान्य खोजबीन में इसका पता लगाना मुि-श्कल था। पुलिस के अनुसार, अगर समय रहते बम का पता नहीं चलता तो यह जानमाल की क्षति का कारण बन सकता था। वर्तमान में लखीसराय जिले के चानन, कजरा

और पीरीबाजार के पहाड़ी और जंगल क्षेत्रों में सुरक्षा बल लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। एसपी ने नक्सली गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए आगे भी ऐसे अभियान जारी रखने की बात कही है। इस कार्रवाई से जहां पुलिस की सतर्कता साबित हुई है, वहीं आम जनता में सुरक्षा का भरोसा भी बढ़ा है।

मुंगेर में कोर्ट कर्मी और विधिज्ञ संघ के बीच पेशी को लेकर जमकर हुआ हंगामा

कोर्ट कर्मियों ने विधिक संघ मुदार्बाद के नारे लगाए

दव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : जमानत अधिपत्र को स्वीकार कराने में अनावश्यक पेशी को लेकर वरीय अधिवक्ता अजय कुमार यादव एवं एसीजेएम प्रथम कार्यालय के पेशकार चंदन कुमार के बीच गुरुवार को विवाद उत्पन्न हो गया था। पेशकार चंदन कुमार ने इस की शिकायत कर्मचारी संघ में किया। अगले दिन शुक्रवार को कुछ नये व पुराने कोर्ट कर्मी एवं अवैध रूप से कार्यरत कर्मी अधिवक्ता अजय कुमार यादव से उलझ गये।इसी दौरान कई अधिवक्ताओं ने विरोध किया तो कर्मचारियों संघ जिन्दाबाद एवं विधिज्ञ संघ मुदार्वाद का नारा लगाने लगे । इससे मुंगेर कोर्ट के अधिवक्ता आकोशित हो उठे। जानकारी होने पर अधिवक्ता का जमाव होने लगा। बिगड़ते हालात को देखते हुए लिए जिला जज आलोक गुप्ता ने विधिज्ञ

संघ के अध्यक्ष शशि शेखर प्रसाद को बुलाया, तब जाकर मामला शांत हुआ। अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने कर्मचारी के मनमानी रवैया के संबंध में जिला जज को जानकारी दी हैं। वहीं, अध्यक्ष ने अधिवक्ता को समझ-ाएं कि आप अनियमित, भ्रष्टाचार के विरुद्ध में जिला जज एवं हाईकोर्ट में शिकायत करें , अनावश्यक विवाद में भाग नहीं ले। वहीं जिला जज ने भी कर्मचारी को हिदायत दी। अधिवक्ता अजय कुमार यादव ने बताया कि संघ मुदार्वाद का नारा लगाने के बाद अधिवक्ता का उग्र होना स्वाभाविक है और मैं अनियमितता का विरोध वर्षों से करते आ रहा हूं । बताते चलें कि सिविल कोर्ट में कर्मचारियों की संख्या काफी कम है और काम का बोझ है । दर्जनों कर्मी अवैध रूप से कार्यरत है। जिस वजह से तेजी से भ्रष्टाचार बढ़ रहा है । कोविड काल के पहले डेट लाने के पेशी का दर दस रुपये था जो बढ़कर बीस रुपये हुआ अब कर्मी पचास रुपए मांग रहे हैं। वहीं, कुछ नये कर्मचारी एवं अवैध कर्मी हर काम के लिए एक निर्धारित सेवा शुल्क वसुलना चाहते है। इस वजह से अक्सर अधिवक्ता परेशान हाल रहते हैं। और अधिवक्ता एवं कर्मचारियों के बीच तू-तू-मैं होते रहता है। अधिवक्ता ओम प्रकाश पोद्दार ने बताया कि सा-री अनियमितता सीसीटीवी फुटेज में कैद होते रहता है। इसके बावजूद भी भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगता है और बिना पेशी का काई काम नहीं होता है और आरटीआई में भी आवेदक को निराशा हाथ लगती हैं।

कृषि रोड मैप से बिहार में मछली उत्पादन में तीन गुना उछाल, बढ़ा रोजगार और आमदनी

पटना:

बिहार सरकार के कृषि रोड मैप ने बिहार में मछली उत्पादन की सूरत बदल दी है। मछली का उत्पादन 2.68 लाख मीट्रिक टन (2005 से पहले) से बढ़कर 8.73 लाख मीट्रिक टन (2023-24) हो गया। इस तरह से करीब 20 वर्षों में मछली का उत्पादन बिहार में तीन गुना से अधिक बढ़ चुका है। मछली उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार कृषि रोड मैप के तहत कई योजनाएं चला रही है। जिसमें मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजना, जलाशय मात्स्यिकी विकास योजना, निजी तालाबों के जीर्णोद्धार की योजना, राज्य में बहने वाली गंगा नदी के पारिस्थितिकी तंत्र में नदी पुनर्स्थापन कार्यक्रम आदि एवं केन्द्र प्रायोजित योजनान्तर्गत प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का कार्य मुख्य रुप से शामिल है। इन योजनाओं से मछली उत्पादन को बढ़ावा मिला है और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजना के तहत बिहार की 461 हेक्टेयर चौर भूमि मछली पालन से समृद्ध हुई है। इस योजना से चौर बाहुल्य जिलों में अवस्थित चौर भूमि पर मॉडल आधारित नये तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। जिससे राज्य में मछली का उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है। प्रखंडों में बनेंगे मछली बाजार स-रकारी योजनाओं के जरिए जहां एक ओर राज्य में मछली उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है वहीं दूसरी ओर सरकार मछली पालकों द्वारा उत्पादित मछली को बाजार भी मुहैया करवाने की लगातार कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री मत्स्य विपणन योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष में राज्य के चिन्हित प्रखण्डों में 30-30 मत्स्य बाजार का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही, मछली के उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए नई तकनीक जैसे बायोफ्लॉक तकनीक एवं आरएएस तकनीक से मत्स्य पालन किया जा रहा है।

महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाओं को दी गई विकास योजनाओं की जानकारी

विभिन्न प्रखंडों में आयोजित हुआ महिला संवाद कार्यक्रम

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : मुंगेर जिले में महिला संवाद कार्यक्रम पिछले 57 दिनों 18 अप्रैल से महिला संवाद कार्यक्रम जारी हैं।जिसमें अबतक कुल 668 ग्राम संगठन के संवाद कार्यक्रम सफल हो चुका है। आज दिनांक 13 जून 25 को जिले में कुल 8 संवाद रथ के माध्यम से प्रतिदिन 16 ग्राम संगठनों की जीविका दीदियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्थानीय जीविका दीदी एवं अन्य महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग ली कार्यक्रम में महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही संवाद कार्यक्रम में आने वाले आकांक्षा एवं मुद्दा को संकलित कर जिला अधिकारी एवं राज्य कार्यालय के साथ साझा किया जा रहा है। संवाद कार्यक्रम का आयोजन : मुंगेर सदर प्रखंड के मिजार्पुर बरदह पंचायत के रेहान जीविका महिला ग्राम संगठन, तारापुर दियारा पंचायत के संगम जी-विका महिला ग्राम संगठन, नौवागढ़ी उतरी पंचायत के आंचल जीविका महिला ग्राम संगठन, जमालपुर प्रखंड के रामनगर पंचायत के कार्यालय जी-विका ग्राम संगठन, इंदुख पूर्वी पंचायत के लाडली जीविका महिला ग्राम संगठन, ईटहरी पंचायत के सहारा जी-विका संगठन, सिंघिया पंचायत के शि-ावशक्ति जीविका महिला ग्राम संगठन एवं प्रखंड के अन्य 6 और ग्राम संगठन के क्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संवाद कार्यक्रम में लाभग 4000 लोगों ने भाग लिया, इस संवाद कार्यक्रम का संचालन जमालपुर प्रखंड के प्रखंड परियोजना प्रबंधक पूनम कुमारी एवं मुंगेर सदर प्रखंड के प्रखंड परियोजना

प्रबंधक श्रेया ने की। कार्यक्रम की श-रूआतः उक्त कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीदियों को माननीय मुख्यमंत्री महोदय का संदेश पत्र पढ़ कर सुनाया गया । इसके बाद संवाद रथ में लगे एल ई डी के माध्यम से सरकार द्वारा महिलाओ एवं बालक बालिकाओं हेतु चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री बालिका पोशाक एवं साइ-किल योजना, मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री किशोरी स्वास्थ्य योजना, जीविका अंतर्गत सतत जीविकोपार्जन योजना आदि योजना के बारे में विस्तार से दिखाया गया । अनुभव साझा कार्यक्रम : योजनाओं से लाभान्वित कुछ दीदियो ने अपना अनुभव साझा की जिसमें रूबी देवी ने बताया कि की समूह में जुड़ने से पहले उनकी आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब था उनको अपने घर में बच्चों को दो वक्त का भोजन भी नसीब नहीं रहा था। उनकी स्थिति को देखते हुए उनका चयन सतत जीविकोपार्जन योजना के लाभार्थी के रूप में किया गया चयन उपरांत ग्राम संगठन के मदद से रोजगार से जुड़ गई और आज अपने परिवार के साथ सम्मानजनक जिंदगी गुजार रही है। रूबी दीदी इस-ाके लिए सरकार आभार व्यक्त किया इसके अलावा भारती दीदी ,सीमा दीदी,माला दीदी को प्रधानमंत्री आवास योजना , लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत शौचालय निर्माण के लिए प्रोत्साहन राशि मिला है। सभी दीदी ने इसके लिए बिहार सरकार को धन्यवाद दिया। आकांक्षा एवं मुद्दा के सत्र में : काजल दीदी के द्वारा ग्राम संगठन भवन की मांग की गयी, रेखा देवी के पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र की मांग की,अनीता देवी के द्वारा पंचायत में प्राथमिक विद्यालय में शिक्ष-ाक की कमी के लिए शिक्षक बढ़ोतरी की मांग की गई एवं जीविका दीदी के रोजगार के लिए कोई कंपनी खोलने की मांग की गयी, संगीता दीदी ने वार्ड में पीने का पानी, नाला, एवं कचरा प्रबंधन बनवाने की मांग की गयी। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने मूलभूत सुविधा जैसे हर घर नल का जल, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान कार्ड जो कि योग्य परिवार को देने हेतु एक बार फिर से सर्वे किया जाय और इस सुविधा को योग्य परिवार को दिया जाय।

'अगर तुम्हें कोई लड़का पसंद आए तो...' बेटी

जान्हवी कपूर

को डेटिंग पर क्या सलाह देती थीं श्रीदेवी?

दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी अपनी दोनों ही बेटियों जान्हवी कपूर और खुशी कपूर के काफी करीब थीं. हालांकि बड़ी बेटी जान्हवी से उनका खास लगाव था. जान्हवी भी अपनी मां को बेहद मानती थीं और वो उनके निधन के बाद बुरी तरह टूट गई थीं. जान्हवी अपनी मां की अभिनय की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं और उन्हें अब बॉलीवुड में काम करते हुए सात साल से भी ज्यादा समय हो चुका है.श्रीदेवी और बोनी कपूर ने अपनी बेटियों को बहुत अच्छी परवरिश दी है. श्रीदेवी अपनी बेटियों के हर काम पर और हर एक्शन पर नजर रखती थीं. वो जान्हवी और खुशी से डेटिंग को लेकर भी खुले तौर पर कह चुकी थीं. जान्हवी ने बताया था कि मां और पापा कहते थी कि अगर उन्हें कोई लड़का पसंद आए तो हम उससे उनकी शादी करा देंगे.

जान्हवी को डेटिंग लिए श्रीदेवी ने क्या कहा था ?

जान्हवी कपूर ने एक बार एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया था कि डेटिंग को लेकर उनके पैरेंट्स उनसे क्या कहते थे ? जान्हवी के मुताबिक, मां और पापा डेटिंग लाइफ को लेकर बहुत ही ड्रामेटिक थे. वो कहते थे, अगर तुम्हें कोई लड़का पसंद आए तो हमें बताना, हम तुम्हारी शादी करा देंगे. मैं कहती थी- क्या ? हमारी शादी हर अच्छे लगने वाले लड़के से नहीं हो सकती. जान्हवी अपनी मां से कहा करती थी कि चिल और मस्ती के लिए भी तो किसी को डेट कर सकते हैं. हालांकि श्रीदेवी को बेटी की ये बात पसंद नहीं आती थी और वो जान्हवी से पूछती थी कि चिल ? चिल का क्या मतलब होता है ?

किनके साथ जुड़ा जान्हवी का नाम

2017 के दौरान जान्हवी का नाम पॉलिटिशियन सुशील कुमार शिंदे के नाती शिखर पहाड़िया से जुड़ा था. बाद में दोनों अलग हो गए थे. हालांकि दोनों एक बार फिर करीब आए और अब कथित तौर पर जान्हवी-शिखर फिर से रिश्ते में हैं. वहीं जान्हवी ने साल 2018 में जब 'धड़क' फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था तब उनका नाम को-एक्टर ईशान खट्टर से भी जुड़ा था. इसके अलावा अक्षत राजन संग भी एक्ट्रेस का नाम सुर्खियों में रहा. दोनों ने बॉस्टन की टफ्ट्स यूनिवर्सिटी से ही साथ में पढ़ाई की है.

2018 में हो गया था श्रीदेवी का निधन

श्रीदेवी हिंदी सिनेमा की सबसे पॉपुलर अदाकाराओं में गिनी जाती हैं. उन्हें 'लेडी अमिताभ बच्चन' भी कहा जाता था. महज चार साल की उम्र से उन्होंने कैमरा फेस करना शुरू कर दिया था. बतौर एक्ट्रेस 300 से ज्यादा फिल्मों में नजर आईं श्रीदेवी का फरवरी 2018 में निधन हो गया था.

अक्षय ने दो बार मेरा इस्तेमाल किया...' ब्रेकअप के बाद टूट गई थीं शिल्पा शेट्टी, खाई थी ये कसम

अक्षय कुमार बॉलीवुड के असली दिलफेंक आशिक रहे हैं. उनका नाम हिंदी सिनेमा की करीब आधा दर्जन हसीनाओं के साथ जुड़ा है. पूजा बत्रा, आयशा जुल्का, रवीना टंडन और शिल्पा शेट्टी संग उनका नाम जुड़ चुका है. वहीं ट्विंकल खन्ना से शादी के बाद प्रियंका चोपड़ा संग भी उनके अफेयर की खबरें आई थीं. हालांकि अक्षय के सबसे ज्यादा चर्चित अफेयर रवीना टंडन और शिल्पा शेट्टी के साथ रहे हैं.ट्विंकल खन्ना से शादी करने से पहले अक्षय कुमार ने रवीना टंडन को डेट किया था. हालांकि फिर दोनों अलग हो गए थे. इसके बाद उन्होंने शिल्पा शेट्टी को डेट करना शुरू किया. शिल्पा इस रिश्ते को लेकर बेहद सीरियस थीं. हालांकि उन्हें अक्षय से धोखा मिला था. अक्षय ने अचानक से उन्हें छोड़ दिया और ट्विंकल के प्यार में पड़ गए. फिर उनसे शादी भी कर ली. अक्षय की इस हरकत से शिल्पा को बहुत बड़ा झटका लगा था. ब्रेकअप के बाद शिल्पा ने एक बातचीत में 'खिलाड़ी कुमार' पर कई गंभीर आरोप लगाए थे.

अक्षय ने मेरा दो बार इस्तेमाल किया

बताया जाता है कि अक्षय और शिल्पा की नजदीकियां 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' फिल्म की शूटिंग के दौरान बढ़ी थीं. दोनों ने एक-दूसरे से साथ अच्छा खासा वक्त बिताया था. हालांकि अक्षय ने फिर ट्विंकल खन्ना के लिए शिल्पा को चीट कर दिया था. रिश्ता खत्म होने के बाद शिल्पा ने साल 2000 में उमेश जिवनानी से बातचीत में बताया था कि अक्षय ने मेरा दो बार इस्तेमाल किया था और मुझे छोड़ दिया था. एक्ट्रेस ने कहा था, अक्षय मेरे साथ कुछ ऐसा करेगा ये मैंने कभी नहीं सोचा था. जब उन्हें कोई और मिल गई तो मुझे छोड़ दिया, मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मेरे अंदर इससे निकलने की ताकत है.

अक्षय को कभी माफ नहीं करूंगी

अक्षय से मिले धोखे से शिल्पा बहुत आहत हुई थीं. फिर उन्होंने ये भी कहा था कि मैं अक्षय को कभी माफ नहीं करूंगी और ना ही उनके साथ कभी काम करूंगी. एक्ट्रेस ने कहा था, अक्षय धोखे से लड़कियों से सगाई कर लेते थे और मंदिर ले जाकर शादी का वादा करते थे, लेकिन किसी और लड़की से मिलने के बाद वो अपने वादे भूल जाते थे और शादी के वादे से पलट जाते थे.

कौन है बिमल पारेख? जो बॉलीवुड सितारों के एक-एक पैसे का रखता है हिसाब

फिल्मों का 'राजा' कौन ? इस सवाल के जवाब के लिए लोग बॉक्स ऑफिस कलेक्शन देखते हैं. रियल लाइफ और कमाई में चढ्ढ़ा कौन ? इसके जवाब के लिए स्टारडम और कुल संपत्ति देखी जाती है. हर साल एक्टर्स करोड़ों की कमाई करते हैं. बात जब सुपरस्टार आमिर खान की हो, तो सोचा है कि वो पैसे कमाते तो हैं. पर इसे संभालने की जिम्मेदारी किसके हाथ है ? खुद उनके, बच्चों के या फिर एक्स पत्नी और गर्लफ्रेंडज्सबका सीधा जवाब है- इनमें से कोई भी नहीं. यह जिम्मा खुद उन्होंने बिमल पारेख को सौंपा हुआ है. आखिर कौन है ये शख्स ? जिसके लिए आमिर खान ने कहा कि- वो मुझे एक पल में कंगाल कर सकता है.

आमिर खान ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बिमल पारेख का जिक्र किया था. जिसे मजाक में अपनी सौतेली मां बताते हुए भी दिखाई दिए थे. सुपरस्टार का कहना था कि शुरुआत से ही उनका पूरा ध्यान क्रिएटिविटी पर रहा है. पैसों में कभी कोई दिलचस्पी नहीं रही. उनके पूरे पैसों की जिम्मेदारी बिमल पर है. यहां तक बोल गए थे कि वो मेरे पैसों का क्या करता है वो नहीं जानते. वो चाहे तो एक पल में उन्हें कंगाल कर सकता है और एक्टर उसे रोक नहीं पाएंगे. पर बिमल पारेख है कौन ? आइए बताते हैं.

कौन है बिमल पारेख ?

बिमल पारेख बॉलीवुड वालों के पसंदीदा चार्टेड अकाउंटेंट (CA) हैं. साथ ही फाइनेंशियल एडवाइजर भी हैं. सिर्फ आमिर खान ही नहीं, वो रणबीर कपूर, कटरीना कैफ, जूही चावला से लेकर कपिल शर्मा तक के सीए हैं. साथ ही कई प्रोडक्शन हाउसेज को फाइनेंशियल गाइडेंस दे चुके हैं. जिसमें फरहान अख्तर-रितेश सिधवानी का E&cel Entertainment, जोया अख्तर-रीमा का टाइगर बेबी, भंसाली और आशुतोष गोवारिकर का प्रोडक्शन हाउस शामिल है.

हाल ही में द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बिमल पारेख ने खास बात की. साथ ही कहा कि, वो खुद को पावरफुल नहीं मानते. मैं चार्टेड अकाउंटेंट बना, क्योंकि मेरे पिता भी थे. आप की असली पावर उन लोगों से आती है, जिनके साथ आप काम करते हैं. इस दौरान बिमल पारेख ने बताया कि फिल्म में काम कर रहे लोग पैसे नहीं देते. लेकिन इतने सालों में एक भी क्लाइंट को डिफॉल्ट नहीं किया गया है.

'मैं उसकी मीठी-मीठी बातों में फंस गई...' 17 साल की उम्र में टूटा था

प्रियंका चोपड़ा

का दिल

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में नाम कमा चुकीं ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने अपनी फिल्मों और एक्टिंग के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ से भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं. प्रियंका के कई अफेयर रहे हैं. शाहिद कपूर, शाहरुख खान और अक्षय कुमार संग उनके अफेयर की खबरें आईं. बाद में उन्होंने अमेरिकी सिंगर निक जोनस से शादी कर ली और अब वो एक हैप्पी लाइफ एन्जॉय कर रही हैं.

प्रियंका के कई अफेयर के बारे में लोगों को पता है. हालांकि क्या आपको ये पता है कि उनका पहला ब्रेकअप कब हुआ था ? जब वो मिस वर्ल्ड बनने वाली थीं और उससे पहले मिस इंडिया रनरअप थीं, ये उससे ठीक पहले की बात है. 17 साल की उम्र में प्रियंका को प्यार में धोखा मिला था. एक लड़के ने उनका दिल तोड़ दिया था और एक्ट्रेस ने अपने एक्स को लेकर कहा था कि मैं उसकी मीठी-मीठी बातों में फंस गई थी.

17 की उम्र में मिला प्यार में धोखा

प्रियंका चोपड़ा का जन्म 18 जुलाई 1982 को झारखंड के जमशेदपुर में हुआ था. प्रियंका ने दिग्गज एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल के शो 'Rendezvous With Simi Garewal' में अपने पहले रिश्ते को लेकर बात की थी. उन्होंने कहा था, मुझे बहुत गहरा धक्का लगा था. जब दिल टूटा, तब मैं बहुत छोटी थी. मुझे लगता है कि मैं उस वक्त 17 साल की थी.

मीठी मीठी बातों में फंस गई'

सिमी ग्रेवाल से बातचीत करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने आगे कहा था, मैं सदमे में थी और ये समझने के लिए बहुत छोटी थी कि आखिर मैं कर क्या रही हूं ? उस दौरान बस आपको ये पता होता है कि ये सही नहीं है.

मैं उसकी मीठी-मीठी बातों में फंस गई थी. मेरी कजिन्स मुझसे हमेशा कहती थी कि तुम ऐसा कैसे कर सकती हो, वो तुम्हारे लायक नहीं है. मुझे भी लगता था कि वो सही कह रही हैं.

2018 में निक जोनस से की शादी

प्रियंका ने साल 2018 में खुद से दस साल छोटे सिंगर निक जोनस से शादी की थी. इसके बाद एक्ट्रेस अमेरिका सेटल हो गईं. अब दोनों एक बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के पैरेंट्स हैं. मालती का जन्म जनवरी 2022 में सरोगेसी के जरिए हुआ था.